हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, शनिवार 17 जनवरी 2026

भाजपा बराबरी से विकास कर रही है, कांग्रेस में हुए घोटाले, कोई जेल में कोई बेल में: लखन

सरकार के दो वर्षों के कार्यों पर हरिभूमि- आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने उद्योग मंत्री से किए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

खास खबर

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले के विकास में कारगर योजनाओं, विकास कार्यों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा एवं मंथन के लिए हरिभूमि एवं आईएनएच द्वारा जश्न रिसार्ट में 16 जनवरी को जिला संवाद 2026 कोरबा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी ने विकास कार्यों व समस्याओं पर चर्चा की। जिसमें सत्ताधारी व विपक्षी दल के नेताओं ने बेबाकी के साथ अपनी बात रखी। संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी ने उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन से भी वह सवाल पूछे जो उन्होंने पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल से पूछे थे।

डॉ. द्विवेदी: आपके दो साल कैसे गुजरे और आपको कितना मजा आ रहा है?

उद्योग मंत्री: दो साल से मंत्री के रुप में कार्य कर रहा हूं। पता ही नहीं चला कि दो साल कैसे गुजर गए। विधानसभा क्षेत्र सहित राज्य के अन्य जिलों में भी दौरा किया। उद्योग मंत्री होने के नाते अन्य प्रदेशों में भी दौरा करना पड़ा। प्रदेश के साथ साथ हमारे विधानसभा क्षेत्र का कैसे विकास हो इस पर फोकस रखकर काम कर रहे हैं।

डॉ. द्विवेदी: आपको जनता ने विधायक और पार्टी ने मंत्री चुना बावजूद इसके आपको पता नहीं चला कि दो साल कैसे गुजरे?

उद्योग मंत्री: जिले में 28 सौ करोड़ की राशि डीएमएफ से स्वीकृत की गई है। नगर निगम क्षेत्र में भी 8 सौ करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत कराई गई है। जिनमें से कुछ कार्य पूर्ण हो चुके हैं और कुछ निर्माणाधीन हैं तो कुछ का भूमिपूजन किया गया है। दो साल में प्रदेश व जिले में बदलाव नजर आ रहा है।

डॉ. द्विवेदी: डीएमएफ का नाम सुनते ही डर लगने लगता है ?

उद्योग मंत्री: विष्णु देव साय के शासनकाल में कोई कमीशनखोरी नहीं चल रही है। कांग्रेस के शासनकाल में डीएमएफ में 40 प्रतिशत कमीशनखोरी चल रही थी लेकिन विष्णुदेव सरकार पर कोई कमीशनखोरी ▶▶| शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

मारिया ने ट्रंप को भेंट किया नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना माचाडो ने नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल सौंपा है। यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई, जहां माचाडो ने खुद ट्रंप को यह मेडल दिया।

निवेशकों का सोने से मोह हुआ भंग, चांदी बनी पहली पसंद

चांदी तोड़ रही हर दिन रिकॉर्ड, एक दिन में 3600 का उछाल, जल्द ही कीमत 3 लाख!

राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत लगातार छठे दिन रिकॉर्ड तेजी के साथ 3,600 रुपये उछलकर 2,92,600 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर से नीचे आ गया और 1,100 रुपये घटकर 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,47,300 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरिभूमि सरोकार

बृहस्पतिवार को चांदी 2,89,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। गौरतलब है कि साल 2026 की शुरुआत से अब तक घरेलू बाजार में चांदी की कीमतों में करीब 21 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की जा चुकी है, जिससे यह निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना और चांदी में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही।

लगातार दूसरे साल सोने से ज्यादा महंगी

कारोबारियों ने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख के बावजूद लगातार औद्योगिक उठाव के कारण चांदी मजबूत बनी हुई। चांदी अब सिर्फ छह सत्रों में 20.16 प्रतिशत यानी 49,100 रुपये चढ़ चुकी है। आठ जनवरी को इसकी कीमत 2,43,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। चांदी लगातार दूसरे साल सोने से आगे रही और अब तक इसने 22.4 प्रतिशत का लाभ दिया है।

कहां तक जाएंगे सोना और चांदी के भाव

विश्लेषकों का कहना है कि तेजी के बाजारों में चांदी आमतौर पर सोने की तुलना में 1.5 से 2 गुना अधिक बढ़ती है और यह पैटर्न मौजूदा सत्र में साफ तौर पर दिख रहा है। सेम्को सिक्योरिटीज ने अनुमान लगाया है कि एमसीएक्स चांदी की कीमतें समय के साथ 3.94 लाख रुपए प्रति किलो तक जा सकती हैं। वहीं सोने की कीमतें 1.60 लाख तक जा सकती हैं।

सोना सुस्त पड़ने के कई कारण

सोने की कीमतों में आई नरमी के पीछे अमेरिका से आए महंगाई के कमजोर आंकड़ों को अहम वजह माना जा रहा है। इन आंकड़ों के चलते अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना मजबूत हुई है। इसके अलावा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियां, औद्योगिक मांग और इनवेंट्री में बदलाव भी बुलियन मार्केट की दिशा तय कर रहे हैं। माना जा रहा है कि यदि आगे चलकर ब्याज दरों में कटौती होती है तो सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग फिर बढ़ सकती है।

अश्लील डांस, एसडीएम सस्पेंड, अनुमति दी और खुद भी हुए थे शामिल

मंच पर अश्लील डांस, एसडीएम को नोटिस, दो पुलिसकर्मी लाइन अटैच

रायपुर। गरियाबंद जिले में अश्लील डांस मामले में जांच के दायरे में आए एसडीएम को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई रायपुर कमिश्नर एमडी कावरे ने की है। निलंबित हुए एसडीएम तुलसीराम मरकाम ने ही डांस कार्यक्रम की अनुमति दी थी और खुद भी उसमें शामिल हुए थे। रायपुर कमिश्नर द्वारा जारी निलंबन आदेश में कलेक्टर गरियाबंद द्वारा दी गई रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है।

नियम के विपरीत दी थी अनुमति

कमिश्नर की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस घटनाक्रम के संबंध में अपर कलेक्टर, जिला गरियाबंद ने 14 जनवरी को कलेक्टर गरियाबंद को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें प्रकरण के संपूर्ण तथ्य लिखे है। प्रतिवेदन के मुताबिक तुलसीदास मरकाम द्वारा विविध सार्वजनिक कार्यक्रमों, ▶▶| शेष पेज 6 पर

जवाब भी संतोषप्रद नहीं

इस मामले में कलेक्टर गरियाबंद द्वारा कार्यालयीन कारण बताओ नोटिस क्रमांक जारी करते हुए तुलसीदास मरकाम से जवाब-तलब किया गया। मरकाम द्वारा पत्र 14 जनवरी के माध्यम से उक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत किया गया, जवाब संतोषप्रद नहीं पाया गया।

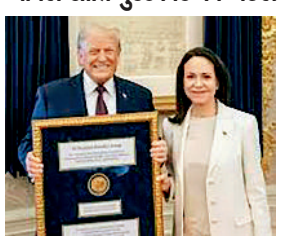

मोरध्वज आरंग महोत्सव में सीएम ने की कई घोषणाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

राजा मोरध्वज की त्याग, धर्म और सत्यनिष्ठा की गौरवगाथा को समर्पित मोरध्वज आरंग महोत्सव–2026 का समापन समारोह ऐतिहासिक गरिमा और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राजा मोरध्वज का जीवन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों का अमर प्रतीक है, जो आज भी समाज को सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आरंग की यह पुण्यभूमि त्रेता युग में प्रभु श्रीराम के चरण-स्पर्श से तथा द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों से अनुप्राणित रही है। उन्होंने बागेश्वर बाबा में विधिवत जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और सतत विकास की ▶▶| शेष पेज 6 पर

सैंड कलाकार सम्मानित

मुख्यमंत्री ने सैंड आर्टिस्ट हेमचंद साहू को रेत से भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीराम एवं भगवान बागेश्वरनाथ की दिव्य आकृतियाँ उकेरने के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कलाकार की सृजनशीलता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी उत्कृष्ट कला न केवल हमारी आस्था और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करती है, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान को भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्रदान करती है। उन्होंने कलाकार को भविष्य में भी इसी प्रकार अपनी कला के माध्यम से प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

ये रहे मौजूद

समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, गुरु बालकदास साहेब, मंत्री खुशवंत सिंह, सांसद विजय बघेल, बृजमोहन अग्रवाल, हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, विधायक इंद्रकुमार साहू, मोतीलाल साहू, रोहित साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ठेकेदार बीआर गोयल की कंपनी सड़क, राजमार्ग पुल और इमारतों का निर्माण करती है

सड़क ठेकेदार के ठिकानों पर आईटी की रेड, दस्तावेज जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि खास

सड़क ठेकेदार बीआर गोयल के ठिकानों पर आईटी की रेड पड़ी है। आयकर की टीम पाराघाट टोल प्लाजा स्थित में टोल ऑफिस में पहुंची है और दस्तावेजों की जांच के साथ ही गोयल और उनके स्टाफ से पूछताछ की। 3 अलग-अलग गाड़ियों में पहुंचे अधिकारियों ने सारे दस्तावेज जब्त भी कर लिए हैं। यह कंपनी सड़क, राजमार्ग, पुल और इमारतों के निर्माण के साथ-साथ आरएमसी (रेडी मिक्स कॉन्क्रीट) की आपूर्ति, टोल कलेक्शन और आवासीय प्रोजेक्ट्स का संचालन करती है। इसके अलावा कंपनी देशभर में अलग-अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सक्रिय है।

आयकर विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक इंदौर में भी अलग-अलग ठिकानों परछापा पड़ा है। कंपनी के सपना-संगीता रोड स्थित कार्यालय और कंपनी के डायरेक्टर के घर पर जांच चल रही है। अधिकारियों के अनुसार इनकम टैक्स विभाग को कंपनी के कामकाज, बड़े पैमाने पर लेन-देन और टैक्स में गड़बड़ी से संबंधित सूचनाएं मिली थीं।

दस्तावेजों और डिजिटल डेटा की जांच- आयकर विभाग के अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार सुबह ही इनकम टैक्स की टीम गोयल के सभी ठिकानों पर पहुंच गई थी। इस दौरान दस्तावेजों और डिजिटल डेटा की विशेष रूप से जांच की जा रही है। इनकम टैक्स विभाग को कंपनी के कामकाज, बड़े पैमाने पर लेन-देन और टैक्स में गड़बड़ी की जानकारी पर छापेमारी ▶▶| शेष पेज 6 पर

1 महीने पहले 45 ठिकानों पर पड़ी थी रेड

गौरतलब है कि इससे पहले भी छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की थी। करीब एक महीने पहले, 4 दिसंबर 2025 को आयरन और स्टील कारोबार से जुड़े व्यापारियों और उनसे संबंधित लोगों के कुल 45 ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा था। यह कार्रवाई रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और रायगढ़ जैसे प्रमुख शहरों में की गई थी और करीब चार दिनों तक चली थी। उस दौरान आयकर विभाग के लगभग 200 अधिकारी कार्रवाई में शामिल थे। विभाग को 300 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी का संदेह था, जिसके चलते यह व्यापक छापेमारी की गई थी। उस कार्रवाई ने पूरे प्रदेश में हलचल मचा दी थी। अब एक बार फिर सड़क ठेकेदार बी.आर. गोयल के ठिकानों पर हुई इस ताजा कार्रवाई से यह संकेत मिल रहे हैं कि आयकर विभाग प्रदेश में टैक्स चोरी और वित्तीय गड़बड़ियों के मामलों को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है। आने वाले समय में इस छापेमारी से जुड़े और भी खुलासे सामने आ सकते हैं।

हाईकोर्ट ने विभागीय जांच और किसी भी तरह की कार्रवाई पर रोक लगाई

लाल अंगूर लेकर आओ, 10 केजी जवाफूल चावल भी चाहिए सिलेंडर और सब्जी भी मंगाई, हाईकोर्ट में दायर हुई याचिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

खास खबर

हाईकोर्ट ने दुर्ग निगम कमिश्नर आफिस में पदस्थ कर्मचारी के खिलाफ विभागीय जांच और किसी भी तरह की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल और जांच अधिकारी मोहेन्द्र साहू को व्यक्तिगत नोटिस जारी किया है। रिट याचिका की अगली सुनवाई 23 फरवरी को होगी। याचिकाकर्ता द्वारा निगम कमिश्नर और अपने वाट्सएप चैट की कॉपी हाईकोर्ट में पेश की गई है। इसमें आयुक्त लगातार कुछ मंगवा रहे हैं।इसमें लाल अंगूर लेकर आओ, धुरंधर मूवी की टिकट वह भी कार्नर वाली सीट मांगी गई है। सिलेंडर और सब्जी भी मंगाई गई। 10 केजी जवाफूल चावल लेकर आने की बात भी कही गई है। चैट में एक कर्मचारी के बारे में लिखा है कि उसको समझा देना हटा दूंगा। एक चैट में कर्मचारी से आयुक्त पूछ रहे हैं कि एमआईसी की बैठक को क्या कैंसिल कर सकते हैं।

रिट याचिका की सुनवाई जस्टिस पीपी साहू के सिंगल ▶▶| शेष पेज 6 पर

निलंबन आदेश को दी है चुनौती

याचिकाकर्ता ने निगम कमिश्नर द्वारा 18 सितंबर 2025 को जारी आरोप पत्र और दुर्ग नगर निगम के उपायुक्त द्वारा 06 अक्टूबर 2026 की जांच रिपोर्ट को चुनौती दी है। याचिका के अनुसार उसे 8 अगस्त 2014 के आदेश द्वारा दुर्ग नगर निगम के अधीन चपरासी के पद पर नियुक्त किया गया था। इसके बाद 21 नवंबर 2019 को उसे सहायक ग्रेड-तृतीय के पद पर पदोन्नत किया गया। सेवा अवधि के दौरान, नगर निगम आयुक्त ने 31 जुलाई 2025 को उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया और आरोप लगाया कि नम्रता रक्सेल (चपरासी) और प्रीति उज्जैनवार (सहायक राजस्व निरीक्षक) की नियुक्ति और रमेश कुमार ▶▶| शेष पेज 6 पर

जल जीवन मिशन से 32 लाख घरों में पहुंचा नल का पानी, साव का दावा-हर घर पहुंचाएंगे

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में अब तक 40 लाख 87 हजार 27 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं, जिससे 32 लाख घरों तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। मिशन लागू होने से पूर्व प्रदेश में केवल 3 लाख 19 हजार 741 घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध थे, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के बीते दो वर्षों में इस संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है।

41.87 लाख घरेलू नल कनेक्शन 5564 ग्राम 'हर घर जल ग्राम' घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

साव ने यह जानकारी शुक्रवार को नवा रायपुर अटल नगर स्थित संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा- छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था में व्यापक और ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित, शुद्ध एवं सतत पेयजल उपलब्ध कराया जाए और छत्तीसगढ़ को शीघ्र ही 'हर घर जल' राज्य के रूप में स्थापित किया जाए।

पहले था ये हाल

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन से पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में 3,08,287 हैंडपंप, 4,440 नलजल योजनाएं और 2,132 स्थल जल प्रदाय योजनाएं संचालित थीं। वर्तमान में 70 समूह जल प्रदाय योजनाएं प्रगतिरत हैं, जिनसे 3,208 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं तथा 9 लाख 85 हजार से अधिक घरेलू नल कनेक्शन इन योजनाओं के माध्यम से जुड़े हैं।

पानी की जांच के लिए 77 प्रयोगशालाएं

जल गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए श्री साव ने बताया कि राज्य में 77 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं संचालित हैं, जिनमें 47 प्रयोगशालाएं एनएबीएल मान्यता प्राप्त हैं। आम नागरिकों की सुविधा के लिए पेयजल से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु टोल फ्री नंबर 1800-233-0008 भी प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

ये है अगली कार्ययोजना

उन्होंने आगामी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया कि शेष बचे लगभग 8 लाख घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) का निर्माण, 21 हजार से अधिक अधूरी योजनाओं को पूर्ण करना, 24 हजार से अधिक योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करना तथा सभी प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सरकार की प्राथमिकता है। मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण पर जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री ने बताया कि बीते दो वर्षों में विभाग में 403 रिक्त पदों का सृजन, 213 पदों पर नियुक्ति, 103 कर्मचारियों को पदोन्नति तथा 877 शासकीय सेवकों को समयमान-वेतनमान का लाभ प्रदान किया गया है।

साढ़े 6 हजार गांवों में सौ प्रतिशत घरेलू नल

श्री साव ने कहा कि वर्तमान में 6,572 ग्रामों में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण हो चुके हैं। वहीं 5,564 ग्रामों को 'हर घर जल ग्राम' घोषित किया गया है, जिनमें से 4,544 ग्रामों को विधिवत प्रमाणित किया जा चुका है, विगत दो वर्षों में हर घर सर्टिफाइड ग्रामों की संख्या में पूर्व की तुलना में 750 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 5,088 ग्राम पंचायतों को जलापूर्ति व्यवस्थाओं का हस्तांतरण भी किया गया है।

जेजेएम में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन(जेजएम) के अंतर्गत गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है। दोषपूर्ण कार्यों के कारण बीते दो वर्षों में 28 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक का अर्थदंड लगाया गया, 629 अनुबंध निरस्त किए गए तथा 11 फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया। इसके साथ ही दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई भी की गई है।

500 यूनिट की खपत पर 1305 रुपए और 1000 यूनिट पर 3295 रुपए लग रहे ज्यादा

सूर्य घर योजना में आवेदन न करने वाले पॉवर कंपनी के 10 हजार कर्मचारियों को लगा महंगाई का झटका

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर एक तरफ जहां आम उपभोक्ता लगातार आवेदन कर अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने का काम कर रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों में इसको लेकर कोई रुचि नहीं है। तय डेडलाइन तक 11442 नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों में से महज 1662 ने ही आवेदन किए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऐसे में आवेदन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलने वाली 50 फीसदी की छूट को बंद कर दिया गया है। ऐसे में इनको महंगी बिजली का झटका लग रहा है। अब जितने यूनिट की खपत हो रही है, उतने टैरिफ का पूरा पैसा देना पड़ रहा है। योजना को बंद करने के विरोध के बाद अब जिनका खुद का घर नहीं है, उनको राहत देने की तैयारी हो रही है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर प्रदेश सरकार बहुत गंभीर है। ऐसे में इस योजना के लिए केंद्र सरकार की सब्सिडी के साथ ही राज्य सरकार ने भी अपनी सब्सिडी जारी की है। ऐसे में अब डबल सब्सिडी के कारण आम उपभोक्ता इसकी तरफ प्रभावित हो रहे हैं। आवेदनों की रफ्तार में बहुत ज्यादा इजाफा हो गया है। अब तक करीब सवा लाख आवेदन हो गए हैं। इसी के साथ 25 हजार से ज्यादा घरों में सोलर पैनल भी लग गए हैं।

खास खबर

मात्र 1662 आवेदन

प्रदेश सरकार ने जब अगस्त से बिजली बिल हॉफ योजना का दायरा कम करके इसमें मिलने वाली छूट को घटाया और पूरा फोकस पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली की तरफ लगाया तो छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपने घरों में हर हाल में तीन माह में सोलर पैनल लगाने का फरमान जारी किया गया। इस फरमान का असर ज्यादा नजर नहीं आया। इसके बाद 25 नवंबर तक हर हाल में आवेदन करने का नया फरमान जारी किया गया। इसी के साथ साफ चेताया गया कि आवेदन न करने वालों को मिलने वाली 50 फीसदी की छूट बंद कर दी जाएगी। तय डेडलाइन तक 11442 नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों में से महज 1662 ने ही आवेदन किए हैं।

जिनका खुद का घर नहीं उनको राहत देने की तैयारी

तिग्गा का प्रमोशन निरस्त शांडिल्य को डीआईजी जेल बनाने का आदेश

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने जेल विभाग से जुड़े मामले की सुनवाई में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि अमित शांडिल्य को फिर से डीआईजी जेल के पद पर पदोन्नति दी जाएगी। इसके साथ ही वरिष्ठता क्रम को नजर अंदाज कर डीआईजी जेल बनाए गए एसएस तिग्गा का प्रमोशन रद्द कर दिया गया है। जेल विभाग में सुपरिंटेंडेंट जगदलपुर सेंट्रल जेल के पद पर कार्यरत अमित शांडिल्य ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बताया था कि विभागीय पदोन्नति समिति की डीपीसी में उनकी वरिष्ठता और निर्धारित पात्रता के मापदंडों को दरकिनार कर दिया गया। वरिष्ठता सूची में उनका नाम पहले स्थान पर था पर उन्हें सुपर शीड करते हुए एसएस तिग्गा को डीआईजी जेल के पद पर प्रमोशन दे दिया गया। जिसके खिलाफ अमित शांडिल्य ने हाईकार्ट में याचिका लगाई। अपनी याचिका में उन्होंने गृह विभाग के प्रमुख सचिव, डीजी जेल,सीजी पीएससी और एसएस तिग्गा को पार्टी बनाया। सुनवाई जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच में हुई। सुनवाई में अदालत ने पाया कि पदोन्नति प्रक्रिया में सेवन नियमों और वरिष्ठता के सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया है। जिसके चलते डीआईजी के पद पर एसएस तिग्गा का प्रमोशन जायज नहीं है। वरिष्ठता क्रम में सीनियर रहे अमित शांडिल्य को डीआईजी बनाया जाए।

नियम के दायरे से बाहर जाकर दी गई सजा कानून के नजरिए से अमान्य

हाईकोर्ट के आदेश से एसईसीएल को झटका लगा है। कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा है, नियम व कानून के दायरे से बाहर जाकर दी गई सजा, कानून के नजरिए से अमान्य है। याचिकाकर्ता कर्मचारी का निलंबन बहाल करते हुए सैलेरी, इंक्रीमेंट सहित अन्य लाभ तीन महीने के भीतर देने का निर्देश दिया है। कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी एसईसीएल में रजनीश कुमार गौतम लेखा अधिकारी के पद पर तैनात थे। पूर्व सैनिकों की एजेंसियों की कोल लोडिंग और परिवहन बिलों से बकाया राशि की कटौती और वसूली करने में विफल रहने व इससे एसईसीएल को वित्तीय नुकसान होने का आरोप लगाते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। विभागीय जांच के बाद, उन्हें एक वर्ष के लिए वेतनमान में निचले स्तर पर डिमोशन कर दिया। इस अवधि के दौरान इंक्रीमेंट भी रोकने का आदेश जारी कर दिया। इसके खिलाफ याचिका दायर की गई। सुनवाई जस्टिस एके प्रसाद के सिंगल बेंच में हुई। ऐसा कोई सबूत नहीं मिला-याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रफुल्ल एन भारत ने कहा कि विवादित बिलों की लेखापरीक्षा,जांच और वसूली से संबंधित कार्य उन्हें कभी सौंपे ही नहीं गए थे। इसके अलावा लगाया गया दंड कोल इंडिया के अधिकारियों को नियंत्रित करने वाले वैधानिक नियमों के विरुद्ध है। याचिकाकर्ता की भूमिका केवल रिकॉर्ड के लिए ऐसे बिल प्राप्त करने और उन्हें आगे भेजने तक सीमित थी। ऐसा कोई सबूत नहीं मिला जिससे यह पता चले कि उन्हें जांच या वसूली संबंधी कार्यों की कोई जिम्मेदारी याचिकाकर्ता को सौंपी गई थी। हाईकोर्ट ने अनुशासनात्मक प्राधिकारी की कार्रवाई पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के बचाव का आधार रहे महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्देशों की अनदेखी की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए सिंगल बेंच ने कहा, वैधानिक नियमों के दायरे से बाहर दी गई कोई भी सजा कानून की दृष्टि से अमान्य है।

5 सालों में नहीं बन सका फायर स्टेशन, हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

हाईकोर्ट ने शहर में नया फायर स्टेशन अब तक नहीं बनाए जाने की खबर को संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई की है । महानिदेशक, होम गार्ड, नागरिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाएं और एसडीआरएफ को हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें कोर्ट द्वारा पूछी गई जानकारी और विवरण रिकॉर्ड पर रखे जाएंगे। दरअसल 7.5 लाख की आबादी वाले बिलासपुर शहर में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के बावजूद अधिकारी बेपरवाह बने हुए हैं।

पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट को जो सर्वसुविधायुक्त फायर स्टेशन बनाना था, वह पिछले पांच सालों से जमीन के झगड़े, टेक्निकल दिक्कतों और बार-बार टेंडर प्रोसेस की वजह से अटका हुआ है। हालात ऐसे हैं कि पांच साल बाद भी वर्क ऑर्डर जारी नहीं हुआ है और एक बार फिर टेंडर प्रोसेस चल रहा है। फिलहाल कुदुदंड पानी टंकी के पास एक अस्थायी फायर स्टेशन चल रहा है, लेकिन शहर की सुरक्षा के नजरिए से यह नाकाफी साबित हुआ है। शहर की आबादी को देखते हुए यह फायर स्टेशन पांच साल पहले ही बन जाना चाहिए था। इसे संज्ञान में लेते हुए चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डीबी ने सुनवाई की । कोर्ट ने कहा कि, मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, महानिदेशक, होम गार्ड, नागरिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवाएं और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल रायपुर को इस जनहित याचिका में एक पक्ष प्रतिवादी के रूप में शामिल किया जाएगा। इन दोनों को ही राज्य में मौजूदा फायर स्टेशनों की संख्या, जिलेवार, उनकी वर्तमान स्थिति के साथ-साथ राज्य में उपलब्ध कुल फायर ब्रिगेड की संख्या के बारे में सूचित करने का निर्देश दिया गया। महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने कोर्ट को बताया कि, नए फायर स्टेशनों के निर्माण के लिए टेंडर पहले तीन बार जारी किया जा चुका है। यह भी बताया गया है कि 12 जनवरी 2026 को एक ई-प्रोक्योरमेंट टेंडर नोटिस जारी किया गया है। 27 जनवरी बोलियां खोलने की निर्धारित तारीख है। कोर्ट ने दोनों प्रतिवादियों से हलफनामा मंगाते हुए कोर्ट में मौजूद एडवोकेट सुदीप श्रीवास्तव, वकील जो न्यायालय में उपस्थित हैं, को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया है। मामले को 5 फरवरी को फिर से सूचीबद्ध किया गया है।

रायपुर देश में पहला शहर बना, जहां पार्थिवी सोसायटी में शुरू हुई वर्चुअल नेट मीटरिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने देशभर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक नई मिसाल कायम की है। योजना के तहत रायपुर की पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग याने व्हीएनएम का सफल संचालन होने से सोसायटी के फ्लैट में रहने वाले 20 परिवारों को बिजली बिल में बड़ी राहत मिलने लगी है। वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम स्थापित करने वाला रायपुर देश का पहला शहर बन गया है। वर्चुअल नेट मीटरिंग की इस नई

व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को हो रहा है, जो अपार्टमेंट या बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं और जिनके पास छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती। वर्चुअल नेट मीटरिंग के जरिए एक ही सोलर प्लांट से कई फ्लैट या परिवार बिजली का लाभ ले सकते हैं, जिससे उनका बिजली बिल काफी कम हो जाता है। पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग की सफलता को देखते हुए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी अब इस मॉडल को प्रदेश के अन्य शहरों और क्षेत्रों में भी स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है।

एटीआर में फायरिंग के तीनों आरोपियों की जमानत मुंगेली से खारिज

अचानकमार टाइगर रिजर्व में बेधड़क बंदूक लेकर घुसने ओर फायरिंग करने के आरोपी तीनों युवकों की जमानत अर्जी शुक्रवार को मुंगेली न्यायालय में फिर से खारिज कर दी है। आरोपियों की न्यायिक हिरासत 29 जनवरी तक के लिए बढ़ा दी गई है। आरोपी अजीतदास वैष्णव पिता स्व. रामकुमार दास वैष्णव उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड 02 राजाबाड़ा लोरमी विकान्त वैष्णव पिता विजय दास वैष्णव उम्र 36 वर्ष ग्राम तुमडीबोड पोस्ट तुमडीबोड थाना तुमडीबोड जिला राजनांदगांव, अनिकेत मौर्य पिता सुनील मौर्य उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 13 मुंगेली रोड लोरमी की ओर से मुंगेली के कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल किया गया था जिसे वन विभाग के वकील की दलील के बाद खारिज कर दिया गया था। रिमांड की अवधि शुक्रवार 16 जनवरी तक थी। इसलिए शुक्रवार को मुंगेली के कोर्ट में फिर से जमानत आवेदन लगाया गया उसे भी न्यायालय ने खारिज कर दिया है।

मनरेगा बचाओ संग्राम में कांग्रेस ने निकाली जनसंपर्क पदयात्रा

रायपुर। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में एक दिवसीय पदयात्रा का आयोजन किया। पदयात्रा माता कौशल्या धाम चंदखुरी से पुराने विधानसभा तक निकाली गई। पदयात्रा के आरंभ के पहले चंदखुरी में जनसभा का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून के परिवर्तन को मजदूरों के खिलाफ बताया। पदयात्रा के प्रारंभ में कांग्रेसजनों ने माता कौशल्या के मंदिर में दर्शन और पूजन किया।

दीपक बैज ने कहा, मोदी सरकार मजदूरों का रोजगार छीनना चाहती है। मनरेगा बंद करने से ग्रामीण क्षेत्र में रोजी रोटी में संकट आएगा। मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर झांसा देकर लोकसभा में एक और बिल पास करके दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी स्कीम मनरेगा को खत्म कर दिया है। मनरेगा केंद्रीय कानून था, 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार द्वारा भेजी जाती थी, अब केंद्र और राज्य का हिस्सा 60- 40 का हो जाएगा। पहले मैचिंग ग्रांट 50 प्रतिशत राशि राज्य जमा करेगी तब केंद्र सरकार राशि जारी करेगी। राज्यों की वित्तीय स्थिति सर्वविदित है। इस बिल से आने वाले समय में मनरेगा स्कीम खत्म हो जाएगी। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, डॉ. शिव कुमार डहरिया, छाया वर्मा, पंकज शर्मा, रायपुर शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, रायपुर ग्रामीण अध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे, सुशील आनंद शुक्ला, सुबोध हरितवाल, दीपक मिश्रा, सकलेन कामदार, शैलेश नितिन त्रिवेदी, शिवसिंह ठाकुर, पंकज मिश्रा, प्रमोद दुबे, अजीत कुकरेजा, उधोराम वर्मा, आकाश तिवारी, नंदलाल देवांगन, कमला वर्मा, आकाश शर्मा, विजय टंडन, हिरेन्द्र देवांगन, विनोद सिंह ठाकुर, ओम श्रीवास, सुयश शर्मा, देव साहू, सुधा सरोज, किशन बजारी, मिलिंद गौतम आदि शामिल हुए।

MAKHIJA IVF & FERTILITY CENTRE

निःसंतानता की सम्पूर्ण जाँच एवं ईलाज

IVF में 10000/- की छूट

परामर्श हेतु कौन महिला संपर्क कर सकती हैं?

- बंद फेलोपियन ट्यूब, Low AMH
- अण्डों का न बनना, समय पर न फूटना (PCOD)
- बच्चेदानी में गांठ, बच्चेदानी में दीवार
- ओवरी सिस्ट, चॉकलेट सिस्ट
- एंडोमेट्रियोसिस, एडिनोमायोसिस
- माहवारी बंद होना, माहवारी का अनियमित होना
- बार-बार गर्भपात होना, महिला नसबंदी

परामर्श हेतु कौन पुरुष संपर्क कर सकते हैं?

- शुक्राणुओं की मात्रा कम होना
- शुक्राणुओं की मात्रा निल होना
- शुक्राणु की गुणवत्ता में कमी होना
- शुक्राणुओं के आकार में खराबी होना
- पुरुष नसबंदी

निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें या अपनी रिपोर्ट भेजें 8085758585

हम आपके परिवार को पूरा करते हैं...

माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

Life begins here

माखीजा हॉस्पिटल, अग्रसेन चौक के पास, टेलीफ़ोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर (छ.ग.)

उपलब्ध सेवाएं - फर्टिलिटी जाँच • IUI • IVF • ICSI • लेज़र हैचिंग • ब्लास्टोसिस्ट • लेप्रोस्कोपी • हिस्ट्रोस्कोपी • डोनर सर्विसेज

बिलासपुर
शनिवार 17 जनवरी 2026
माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
वर्ष : 25, अंक : 296
पृष्ठ : 10+6 =16 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 28.0
न्यून. 9.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 अंडर-19 वर्ल्ड कप: मजबूत शुरुआत ...

विचार पेज
2 विनाशक युद्ध की आहट और दुनिया

कला की देवी संग खिलवाड़, ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आधे-अधूरे आपत्तिजनक परिधान के साथ मूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बसंत ऋतु की आहट होने लगी है। 23 जनवरी को बसंत पंचमी मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस दिन से बसंत ऋतु प्रारंभ हो जाएगी। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की आराधना के साथ बसंतोत्सव प्रारंभ होगा। इसके पूर्व घरों में बसंत पंचमी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मां सरस्वती की मूर्तियों की बिक्री ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही माध्यमों में प्रारंभ हो गई हैं। ऑफलाइन विक्रय के उपलब्ध प्रतिमाएं अपने पारंपरिक स्वरूप में हैं, लेकिन ऑनलाइन उपलब्ध प्रतिमाओं में से कई इतने आपत्तिजनक स्वरूप में हैं कि उन्हें देखकर भावनाएं आहत हो रही हैं। अमेजन में बिक्री के लिए उपलब्ध मां सरस्वती की एक प्रतिमा में उन्हें हाथों में वीणा पकड़े हुए आधा-अधूरे वस्त्र में दिखाया गया है। अमेजन में इस प्रतिमा की कोई भी समीक्षा उपलब्ध नहीं है अर्थात अब तक इसे किसी भी व्यक्ति ने नहीं खरीदा है। वेबसाइट पर विभिन्न धातुओं की मूर्तियां उपलब्ध हैं। कई कलात्मक मूर्तियां आउट ऑफ स्टॉक हो चुकी हैं, लेकिन आपत्तिजनक वस्त्रों वाली प्रतिमाएं नहीं बिक रही हैं। इसके अलावा ऑनलाइन मौजूद तस्वीरों का प्रिंटआउट निकालकर भी भक्तजन पूजन करते हैं। कुछ वेबसाइट में सरस्वती माता की आपत्तिजनक तस्वीरें मौजूद हैं। pngtree.com भी इनमें से एक है। इस वेबसाइट के लिंक https://pngtree.com/freepng/saraswati-goddess-statue-playing-veena-divine-hindu-art_20376522.html में प्रदर्शित तस्वीर में मां सरस्वती को ऊपरी वस्त्र ही नहीं पहनाए गए हैं। गौरतलब है कि ऑनलाइन बिक्री के लिए मौजूद वस्तुओं की विशेष मॉनिटरिंग नहीं होती है। यही कारण है कि यहां भावनाओं को आहत करने वाली वस्तुएं भी थोक में हैं।

हरिभूमि सरोकार

बसंत पंचमी 23 को, ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रारंभ हुई प्रतिमाओं की बिक्री

अमेजन ने कहा, सेलर से संपर्क करें

पूरे मामले पर अमेजन से संपर्क करने उनके द्वारा उपलब्ध कस्टमर केयर नंबर पर कॉल किया गया। उनके द्वारा कहा गया कि इसके लिए सेलर से संपर्क किया जाए। वे केवल खरीदी-बिक्री के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराते हैं। कस्टमर केयर नंबर पर ऑर्डर अथवा डिलीवरी संबंधित समस्याओं का निदान किया जाता है। अमेजन लिंक **https://amzn.in/d/8PAbOvI** पर यह प्रतिमा मौजूद है। शास्त्रों और पुराणों में मां सरस्वती को श्वेत वर्ण वाली तथा श्वेत वस्त्र धारण करने वाली, कमल पर विराजित और शीश में मुकुट धारण किए वर्णित किया गया है। प्रतिमाओं का स्वरूप मां सरस्वती की इस छवि से मेल नहीं खाता। उन्हें हाथों में वीणा धारण कराया गया है और हंस उनके नजदीक है।

बिक्री रोके अमेजन

परंपराओं का अपमान नहीं सहेंगे। अधोवस्त्र अमेजन साइट के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करे, साथ ही अमेजन बिक्री रोके
- **योगेश सैनी,** जिलाध्यक्ष, बजरंग दल

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जस्टिस वर्मा पर चलेगा महाभियोग सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने घर में नकदी मिलने के मामले में फंसे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने महाभियोग की कार्यवाही को चुनौती दी थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश वर्मा ने याचिका में लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके महाभियोग के लिए न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत 3 सदस्यीय समिति गठित करने के फैसले को रद्द करने की मांग की थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीशचंद्र शर्मा की पीठ ने याचिका रद्द की है।

हरिद्वार में लगे 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड

हरिद्वार। उत्तराखंड में हरिद्वार कुंभ क्षेत्र को हिंदू क्षेत्र घोषित करने तथा उसके तहत आने वाले सभी धार्मिक स्थानों और गंगा घाटों को गैर हिंदू प्रवेश के लिए प्रतिबंधित किए जाने की मांग के बीच शुक्रवार को हर की पौड़ी में 'अहिंदू निषेध क्षेत्र' लिखे बोर्ड लगा दिए गए। हर की पौड़ी समेत आसपास के घाटों का प्रबंधन और रखरखाव करने वाली संस्था गंगा सभा ने इस प्रकार का बोर्ड हर की पौड़ी क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों, पुलों की रेलिंग और खंभों पर लगा दिया है।

भाजपा ने महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 नगर महापालिका पर दर्ज कराई जीत

45 बरस इंतजार के बाद पहली बार भाजपा बनी 'मुंबई का किंग', ठाकरे ब्रदर्स को झटका

एजेंसी ⏭ मुंबई

बीएमसी चुनाव में भाजपा ने जीत का परचम लहरा दिया है। बीजेपी पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाने की स्थिति में पहुंच गई है। बीएमएसी के इतिहास में अभी तक बीजेपी का कोई नेता मेयर नहीं बना सका है। बीजेपी ने अपने गठन 1980 के 45 साल बाद मुंबई में मेयर बनाने की अपनी मेहनत सफल कर ली। भाजपा ने महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 नगर महापालिका के लिए हुए चुनाव में विपक्ष का पूरी तरह सफाया कर दिया।

राज्य के 29 में 23 नगर निगमों में बीजेपी गठबंधन जीत की कगार पर है। मुंबई, पुणे, नागपुर, नासिक में गठबंधन को बड़ी बढ़त हासिल है। ज्ञात हो कि पिछली बार 2017 में हुए बीएमसी चुनाव में बीजेपी ने 82 सीटें जीती थी और शिवसेना को 84 सीटें मिली थीं। हालांकि, महाराष्ट्र में गठबंधन की सरकार होने के चलते बीजेपी ने शिवसेना को समर्थन कर दिया था, लेकिन इस बार सियासी बाजी पलट दी। महाराष्ट्र में चुनाव परिणाम आने के साथ ही भाजपा व सहयोगी दलों में जश्न का माहौल है। महाराष्ट्र निकाय चुनाव के वोटों की गिनती देर रात तक जारी रही।

बीएमसी में कब्जा जमाना सबसे अहम

महाराष्ट्र में सभी निगमों में सबसे अहम बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) है। बीएमसी की 227 सीटों में से बीजेपी गठबंधन को 118 सीटें मिलती दिख रही हैं। जेपी उम्मीदवार फिलहाल 90 सीटें और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 28 सीटों पर बढ़त है। इस तरह मुंबई पूरी तरह भगवामय होता दिख रहा है।

बीएमसी में बहुमत का आंकड़ा 114 जरूरी

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की 227 सीटें हैं। मेयर के बहुमत का आंकड़ा 114 का होता है। अभी तक के रुझानों के लिहाज से बीजेपी को 90 सीटें और शिंदे की शिवसेना को 28 सीटों पर बढ़त है या फिर जीत मिल चुकी है। इस तरह महायुति को 118 सीटों मिलती दिख रही हैं।

यूबीटी, कांग्रेस, एनसीपी व मनसे की स्थिति

वहीं, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 63 सीटों पर बढ़त है या फिर जीत दर्ज कर चुकी है। कांग्रेस 12 सीट पर आगे है तो मनसे के 6 उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। इसके अलावा अजित पवार की एनसीपी एक सीट और अन्य पार्टी के उम्मीदवार 9 सीट पर आगे हैं। इसके चलते बीजेपी आसानी से अपना मेयर मुंबई में बना सकती है।

अब मुंबई में होगा भाजपा का अपना मेयर

भारतीय जनता पार्टी का गठन 1980 में हुआ है। इस तरह 45 साल के बाद पहली बार मुंबई के बीएमसी चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बीएमसी में बीजेपी का जलवा दिख रहा है। ऐसे में बीजेपी मुंबई में अपनी सरकार बनाने की स्थिति में खड़ी नजर आ रही है। बीजेपी मुंबई में पहली बार अपना मेयर बनाने की पोजिशन में पहुंच गई है।

ऐसा रहा प्रदर्शन

मुंबई के बीएमसी चुनाव में बीजेपी ने शिंदे की पार्टी शिवसेना साथ मिलकर चुनाव लड़ा और ठाकरे ब्रदर्स की जोड़ी को सियासी धूल चटा दी। बीजेपी 2017 के बीएमसी चुनाव से 8 सीटें ज्यादा जीतती दिख रही है जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 19 सीटें कम मिलती दिख रही। इतना ही नहीं उद्धव विपक्ष के साथ मिलकर भी अपना मेयर बनाने की स्थिति में नहीं है और बीजेपी की स्थिति साफ हो गई है।

मुरूम से भरे हाईवा ने दोपहिया को रौंदा, पिता-पुत्र समेत तीन की मौत

आरंग। नेशनल हाईवे-53 में शुक्रवार तड़के पारागांव के पास हुए भीषण सड़क हादसे में पिता–पुत्र सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और शव सड़क पर क्षत-विक्षत अवस्था में जा गिरे। घटना की जानकारी मिलने के बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आरंग थाना क्षेत्र के बागेश्वर पारा निवासी श्रवण जलक्षत्री पिता रामानंद जलक्षत्री (40), मंगलू जलक्षत्री पिता सनी जलक्षत्री (28) उनका 6 वर्षीय मासूम पुत्र तिलक जलक्षत्री शुक्रवार सुबह महानदी में मछली पकड़ने के लिए एक ही मोटरसाइकिल से निकले थे। निसदा मोड़ के बाद उनकी बाइक साइड से होते हुए महानदी पुल की ओर बढ़ रही थी। इसी दौरान महासमुंद की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे मुरूम से भरे हाईवा वाहन ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद तीनों सड़क पर दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

हाईवा जब्त

प्रत्यक्षदर्शियों केअनुसार हादसे के बाद कुछ देर तक हाईवे परअफरा-तफरी का माहौल बना रहा और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही आरंग पुलिस मौके पर पहुंची, शवों के अवशेषों को एकत्र कर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव परीक्षण गृह भिजवाया गया। हाईवा वाहन को जब्त कर लिया है तथा फरार चालक की तलाश में नाकाबंदी कर दी गई है।

स्थानीय लोगों में आक्रोश

इधर जैसे ही हादसे की खबर बागेश्वर पारा पहुंची, पूरे मोहल्ले में मातम छा गया। एक ही परिवार के पिता और मासूम बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। तिलक की असमय मौत ने हर आंख नम कर दी। पड़ोसी और रिश्तेदार शोक-संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे हैं। स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे-53 पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर नाराजगी जताई है।

40 लाख तक जुर्माना

नकली कीटनाशक बनाने-बेचने पर होगी तीन साल की कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नकली, खतरनाक व अधोमानक कीटनाशकों का कारोबार करने वालों को अब कड़ी सजा मिलेगी। इस तरह के कीटनाशकों का निर्माण करने, कारोबार करने, आयात करने, बेचने वालों को तीन साल तक जेल की सजा या 10 लाख से 40 लाख रुपये तक जुर्माना देना पड़ सकता है। या दोनों सजाएं भुगतनी पड़ सकती हैं। कीटनाशकों के इस कारोबार से अगर किसी मृत्यु हो जाती है या गंभीर चोट लगती है 10 लाख रुपये से 50 लाख रुपये तक जुर्माना या पांच साल की जेल या दोनों की सजा मिल सकती है।

आम जनता से 4 फरवरी तक मांगे सुझाव

इस संबंध में केंद्र सरकार नया कीटनाशक प्रबंधन एक्ट लाने की तैयारी में है। इसके लिए कृषि मंत्रालय ने कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2025 के मसौदा तैयार किया है और इस पर जनता से 4 फरवरी तक अपने सुझाव मांगे हैं।

मानकों पर खरे नहीं उतरने पर भी जुर्माना

यही नहीं कीटनाशक अगर सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं या लाइसेंस व प्रमाणपत्र लेने में नियमों का उल्लंघन पाया गया तो 50 हजार रुपये से दो लाख रुपये तक जुर्माना देना पड़ेगा। जुर्माने की रकम पर अंतिम निर्णय सरकार बाद में करेगी।

हानिकारक रसायनों की होगी रोकथाम

मसौदे के मुताबिक कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालाओं का अनिवार्य रूप से एक्रीडियेशन होगा ताकि किसानों को केवल गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक ही उपलब्ध रहें। नया कानून किसानों को असली उत्पाद उपलब्ध कराएगा। इससे हानिकारक रसायनों पर रोकथाम हो सकेगी और कृषि उत्पादन बढ़ेगा। जेल, जुर्माने और लाइसेंस रद्द करने जैसे दंडों का प्रावधान भी इसमें किया गया है। इसमें प्रवर्तन तंत्र की भी जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।

चिंतन

लोक कल्याण की राजनीति और कुशल प्रबंधन की जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों के नतीजे केवल स्थानीय सत्ता संतुलन का संकेत नहीं हैं, बल्कि वे राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी स्पष्ट करते हैं। खासतौर पर मुंबई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत ने यह संदेश दिया है कि लोक कल्याणकारी नीतियों के साथ-साथ सशक्त आंतरिक प्रबंधन और संगठनात्मक अनुशासन आज की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यह जीत भाजपा के लिए केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि उसकी रणनीति, नेतृत्व और जनविश्वास की पुष्टि है। लोगों ने पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। महाराष्ट्र में कुल 29 नगर निगमों के चुनावों में से 23 कॉरपोरेशनों में भाजपा-महायुति को स्पष्ट बहुमत मिला है। वहीं, मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में भाजपा+शिवसेना (शिंदे) अलायंस कुल 227 सीटों में से 118 सीटें मिलती दिख रही हैं। बिहार के बाद महाराष्ट्र की जनता ने भी स्पष्ट संदेश दिया है कि एनडीए और भाजपा का नेतृत्व ही देश को सही दिशा दे रहा है। इस जीत ने दिखा दिया कि भाजपा की नीतियों, कार्यशैली और निर्णायक नेतृत्व पर देश की जनता का अटूट विश्वास है। लोगों को जनकल्याण और विकास ही चाहिए। अब वे परिवारवाद और खाली बयानबाजी करने वालों के झांसे में नहीं आने वाले। इस जीत ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के कद को भी बढ़ा दिया है। यह परिणाम कांग्रेस, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और शरद पवार के लिए एक ओर खतरे की घंटी है, वहीं पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के नतीजों ने पवार पावर को लेकर स्पष्ट राजनीतिक संदेश दिया है। जिस पवार ब्रांड को कभी सत्ता के इन शहरी केंद्रों में अजेय माना जाता था, वह अब अकेले जीत की गारंटी नहीं रह गया है। इस बार यहां शरद पवार और अजीत पवार की अगुआई वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के रणनीतिक तालमेल के बावजूद वोटरों ने तगड़ा झटका दे दिया है। दूसरी तरफ, करीब 20 साल बाद करीब आए राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की जोड़ी भी कुछ खास दम नहीं दिखा पाई। चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया कि ठाकरे बंधुओं की जोड़ी जनता को भरोसे में नहीं ले सकी, यानी यह प्रयोग राजनीतिक तौर पर असफल रहा। भाजपा और उसके सहयोगियों का आगे रहना इस बात का प्रमाण है कि पार्टी ने शहरी मतदाताओं की नब्ज को अच्छी तरह समझा। मुंबई, नागपुर और पुणे जैसे बड़े महानगरों में भारी बढ़त ने यह दिखा दिया कि भाजपा की पकड़ केवल ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि महानगरीय मतदाता भी उसकी नीतियों से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। इन शहरों में बुनियादी सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं और प्रशासनिक सुधारों ने मतदाताओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला। बता दें कि महाराष्ट्र नगर निगम में 1997 से 2022 तक शिवसेना का वर्चस्व रहा और उसके 12 मेयर रहे। अब चार साल बाद चुनाव हो रहे हैं और भाजपा पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाने जा रही है। एशिया की सबसे बड़ी मुंबई नगरपालिका का 74000 करोड़ का बजट देश के कई राज्यों के बजट से भी ज्यादा है। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज की राजनीति में लोक कल्याण, सुशासन और कुशल संगठनात्मक प्रबंधन सबसे बड़े हथियार हैं। भाजपा की जीत केवल विरोधियों की कमजोरी का परिणाम नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक मजबूती और जनविश्वास की देन है।

ईरान बनाम अमेरिका

डॉ. घनश्याम बादल

विनाशक युद्ध की आहट और दुनिया

ईरान आज जिस दौर से गुजर रहा है, वह केवल एक देश की आंतरिक अशांति नहीं है, बल्कि वैश्विक राजनीति का वह विस्फोटक मोड़ है, जहां से छद्म लोकतंत्र और मजहबी कट्टरता के टकराव से उठी एक चिंगारी पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। आज उनके अयातुल्लाह काम नहीं, शासन के ख़िलाफ़ तेहरान समेत ईरान के कई शहरों और कस्बों की सड़कों पर उमड़ता विद्रोही जन सैलाब, उबलता जनाक्रोश, सरकार की दमनकारी नीतियां और इसके समानांतर हर हाल में दुनिया का दरोगा बनने की हठधर्मी पर अड़े अमेरिका की सैन्य चेतावनियां, उस त्रिकोण का निर्माण कर रहे हैं, जिसके केंद्र में विनाशकारी युद्ध की आशंका लगातार गहराती जा रही है।

ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन अब केवल आर्थिक शिकायतों तक सीमित नहीं हैं। महंगाई, बेरोज़गारी और गिरती जीवन-स्तर की पीड़ा ने जिस असंतोष को जन्म दिया है, ईरान में जिस गति से महंगाई बढ़ी है, उससे वहां के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। ईरानी मुद्रा रियाल डॉलर के मुकाबले रसातल में जा चुकी है। अब तो विद्रोहियों के समर्थन में उमड़ता हुआ जन सैलाब सीधे-सीधे शासन व्यवस्था की वैधता पर सवाल बन चुका है। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद यह पहली बार है, जब ईरान का धर्मतंत्र जनता के इतने बड़े हिस्से से वैचारिक रूप से कटता हुआ दिखाई देता है। महिलाओं, युवाओं, छात्रों और शहरी मध्यम वर्ग की भागीदारी ने इन प्रदर्शनों को साधारण विरोध से कहीं आगे पहुंचा दिया है और एक तरह से सीरिया जैसे हालातों की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। जहां सरकार विरोधी विद्रोही हिंसा एवं आगजनी पर उतरे हुए हैं तथा सरकार के तख्त पलट के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। वहीं सरकार की प्रतिक्रिया भी उतनी ही कठोर से कठोरता होती जा रही है। इंटरनेट ब्लैकआउट, सामूहिक गिरफ्तारियां, सुरक्षा बलों की गोलीबारी और मृत्युदंड ये सब संकेत देते हैं कि ईरान में खामनेई सत्ता पर किसी भी कीमत पर नियंत्रण छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

हालांकि ईरानी नेतृत्व इसे विदेशी साजिश करार देता है, लेकिन यह तर्क अब घरेलू स्तर पर भी असर खोता जा रहा है। सवाल यह नहीं कि विरोध क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि क्या मौजूदा व्यवस्था उन्हें लंबे समय तक दबा पाएगी? आंतरिक उथल-पुथल के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर ख़तरनाक ऊंचाई पर पहुंच गया है। अमेरिका मानवाधिकार उल्लंघनों और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आधार बनाकर लगातार दबाव बना रहा है। प्रतिबंधों का नया दौर, सैन्य चेतावनियां और मध्य-पूर्व में अमेरिकी नौसैनिक तैनाती इस बात का संकेत हैं कि वाशिंगटन 'देखो और इंतजार करो' की नीति से आगे बढ़ने का विकल्प खुला रखे हुए है। हालांकि, यह समझना ज़रूरी है कि अमेरिका भी पूर्ण युद्ध नहीं चाहता। इसकी वजह वाशिंगटन की उदारता या शांतिप्रियता नहीं, अपितु यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाज़ा संघर्ष और घरेलू राजनीतिक दबावों के बीच एक और

बड़े युद्ध का बोझ उठाना वाशिंगटन के लिए आसान नहीं होगा। यही कारण है कि अमेरिका की रणनीति फिलहाल सीमित सैन्य कार्रवाई, आर्थिक दबाव और कूटनीतिक धमकियों तक सिमटी दिखती है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध अक्सर योजनाओं से नहीं, दुर्घटनाओं से शुरू होते हैं। यह तो तय है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच सीधा युद्ध होता है, तो उसके प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेंगे। ईरान के लिए इसका अर्थ होगा-तेल रिफाइनरियों, सैन्य ठिकानों और परमाणु संयंत्रों पर हमले, अर्थव्यवस्था का लगभग ठप हो जाना और संभवतः गृहयुद्ध जैसी स्थिति। बेशक सबसे भारी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ेगी, जिनके लिए शांति पहले ही दुर्लभ हो चुकी है। अमेरिका के लिए यह युद्ध सैन्य रूप से भले ही नियंत्रित रहे, लेकिन राजनीतिक और रणनीतिक रूप से महंगा साबित होगा।

मध्य-पूर्व में फैले अमेरिकी सैन्य अड्डे प्रतिशोध के निशाने पर होंगे। घरेलू स्तर पर युद्ध-विरोधी माहौल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की 'नैतिक नेतृत्व' वाली छवि को और भी ज़्यादा झटका लगेगा। इससे भी अहम बात यह है कि अमेरिका का ध्यान एशिया-प्रशांत क्षेत्र से हटेगा, जो उसके दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के विपरीत है। वैश्विक स्तर पर इसका सबसे तात्कालिक असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जरा-सी अस्थिरता भी तेल की कीमतों को 120–150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा सकती है। इसका सीधा अर्थ है -वैश्विक महंगाई, आर्थिक मंदी और विकासशील देशों पर असहनीय दबाव। यूरोप, जो पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, सबसे अधिक प्रभावित होगा। इस परिदृश्य में चीन और रूस की भूमिका भी समझना ज़रूरी है। दोनों ही देश ईरान के संकट को अपने-अपने रणनीतिक लाभ के रूप में देख रहे हैं। चीन अमेरिका को मध्य-पूर्व में उलझा देखना चाहता है ताकि एशिया में उसकी पकड़ ढीली पड़े। रूस के लिए यह पश्चिमी एकता को कमजोर करने और ऊर्जा कीमतों से लाभ उठाने का अवसर है, लेकिन चीन या रूस कोई भी ईरान के लिए अमेरिका से सीधा युद्ध लड़ने को तैयार नहीं है।

ईरान उनके लिए साझेदार कम, रणनीतिक साधन अधिक है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का सबब है। तेल आयात पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था पर महंगाई का सीधा असर पड़ेगा। रुपये पर दबाव बढ़ेगा, शेयर बाजारों में अस्थिरता आएगी और खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा एक गंभीर प्रश्न बन जाएगी। साथ ही, ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान संपर्क जैसी रणनीतिक परियोजनाएं भी प्रभावित होंगी। हालांकि, संकट के बीच अवसर भी छिपे होते हैं। भारत की संतुलित और स्वायत्त विदेश नीति उसे एक संभावित मध्यस्थ की भूमिका में ला सकती है, लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि भारत किसी भी खेमे में खड़ा होने की जल्दबाजी न करे।

अस्तु,, ईरान का संकट केवल एक देश की संप्रभुता एवं संकट की कहानी नहीं, उस वैश्विक व्यवस्था का आईना है, जहां दमन, असमानता और शक्ति-राजनीति मिलकर अस्थिरता को जन्म देती हैं। युद्ध शायद अभी टल सकता है, लेकिन उसके बीज बोए जा चुके हैं। सवाल यह नहीं कि दुनिया इस आग को देख रही है या नहीं, सवाल यह है कि क्या वह इसे फैलने से रोकने के लिए समय रहते कुछ करेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विश्व पुस्तक मेला

श्वेता गोयल

रील्स के दौर में रीयल किताबें ही हैं शब्दों का सच्चा संसार

नई दिल्ली के हृदय स्थल भारत मंडपम में इन दिनों हवाओं में एक अलग ही सुगंध घुली हुई है। यह सुगंध किसी इत्र की नहीं, बल्कि पुरानी और नई किताबों के पन्नों, स्याही के अक्षरों और मानवीय मेधा के असीमित विस्तार की है। 10 से 18 जनवरी तक चलने वाला 53वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला केवल एक व्यावसायिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय मेधा और वैश्विक संस्कृति के मिलन का एक विराट अनुष्ठान है। पुस्तकें वह सेतु हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं और सभ्यताओं की स्मृतियों को जीवंत रखती हैं। डिजिटल क्रांति के इस प्रचंड वेग के बीच, जहां स्क्रीन की कृत्रिम रोशनी हमारी आंखों को थकान दे रही है, वहां कागज के पन्नों पर अंकित शब्द एक शीतल छांव की तरह प्रतीत होते हैं। इस वर्ष के मेले की आत्मा 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान @75' की थीम में रची-बसी है। यह विषय केवल युद्धों का लेखा-जोखा नहीं है बल्कि उस साहस और बुद्धिमत्ता का वंदन है, जिसने स्वतंत्र भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखा है। हॉल नंबर 5 में निर्मित थीम पवेलियन एक ऐसा गलियारा है, जो आगंतुकों को काल-यात्रा पर ले जाता है। यहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियों के बीच जब पाठक 21 परमवीर चक्र विजेताओं की गाथाओं से रूबरू होते हैं तो साहित्य और राष्ट्रभक्ति का एक अनूठा संगम निर्मित होता है। सैन्य इतिहास पर प्रदर्शित पांच सौ से अधिक पुस्तकें यह सिद्ध करती हैं कि तलवार की धार और कलम की शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। शौर्य जब शब्दों में ढलता है तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बन जाता है। मेले का यह संस्करण कई मायनों में ऐतिहासिक है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) और आईटीपीओ के सहयोग से आयोजित इस मेले में पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। यह निर्णय इस बात का परिचायक है कि ज्ञान पर किसी का एकाधिकार नहीं होना चाहिए और जिज्ञासा की राह में अर्थ की बाधा नहीं आनी चाहिए। 'किताबों की दुनिया में कदम रखने के लिए अब जेब नहीं, बस जिज्ञासा चाहिए' का यह मंत्र भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशकों की उपस्थिति इस मेले को एक वैश्विक मंच प्रदान करती है, जहां कतर 'गेस्ट ऑफ ऑनर' और स्पेन 'फोकस कंट्री' के रूप में अपनी सांस्कृतिक विरासत साझा कर रहे हैं। आज के दौर में एक विमर्श अक्सर सुनाई देता है कि 'जेन-जी' यानी नई पीढ़ी किताबों से दूर होकर स्मार्टफोन्स की दुनिया में खो गई है, किंतु भारत मंडपम के गलियारों में उमड़ती युवाओं की भीड़ इस धारणा को सिरे से खारिज करती है।

तकनीक के शोर में पले-बढ़े ये युवा पिक्सल्स के बजाय पन्नों में अपना भविष्य तलाशते दिख रहे हैं। कतर पवेलियन में हवा में तैरते अक्षरों की जादुई दुनिया को निहारते हुए या रस्साकसी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों की पुस्तकों में अपनी जड़ों को खोजते हुए ये युवा यह प्रमाणित कर रहे हैं कि डिजिटल चमक क्षणिक हो सकती है लेकिन शब्दों की गहराई शाश्वत है। युवाओं का यात्रा वृत्तांतों, क्लासिक साहित्य और अपराध गाथाओं के प्रति यह आकर्षण दर्शाता है कि मानवीय संवेदनाएं आज भी एक अच्छी कहानी की तलाश में रहती हैं। शिक्षा मंत्री ने डिजिटल समय में ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाने की जिस प्राथमिकता का उल्लेख किया, वह 'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय' के रूप में साकार होती दिख रही है। 23 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध छह हजार से अधिक मुफ्त ई-पुस्तकें यह सुनिश्चित करती हैं कि भाषा अब ज्ञान के मार्ग में अवरोध नहीं बल्कि एक सेतु बने। टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाओं के साथ यह समावेशी प्रयास उन लोगों तक भी साहित्य पहुंचा रहा है, जो शारीरिक सीमाओं के कारण अब तक इससे वंचित थे। यह तकनीकी प्रगति और पठन संस्कृति का वह संतुलन है, जिसकी आज के युग को सर्वाधिक आवश्यकता है। मेले का एक और भावुक पक्ष 'अनसुने नायकों' को दी गई श्रद्धांजलि है। 'द सागा ऑफ कुडोपलीः द अनसंग स्टोरी ऑफ 1857' जैसी पुस्तकों का विमोचन यह संदेश देता है कि इतिहास केवल राजाओं और महलों का नहीं होता बल्कि उन साधारण लोगों का भी होता है, जिन्होंने असाधारण बलिदान दिए। किताबों के पन्ने पलटते बुजुर्गों की मुस्कुराहट और युवाओं की आंखों में उमड़ती जिज्ञासा यह साफ कर देती है कि पठन संस्कृति का यह महाकुंभ आने वाले समय में एक शिक्षित और जागरूक समाज की आधारशिला बनेगा। यह मेला एक आह्वान है पुस्तकों की ओर लौटने का, विचारों को विस्तार देने का और शब्दों की इस अनंत यात्रा का हिस्सा बनने का।

(लेखिका शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

समय के साथ 'धर्म और अध्यात्म' के अर्थ बदलते जा रहे हैं

संकलित

दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है-फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

भरे गिलास से, मंदिर की परिक्रमा

संकलित

प्रेरणा

एक महिला रोज मंदिर जाती थी एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा अब मैं मंदिर नही आया करूँगी इस पर पुजारी ने पूछा क्यो? तब महिला बोलीः मैं देखती हूं लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं कुछ ने तो मंदिर को ही गपसप करने का स्थान चुन रखा है, कुछ पूजा कम पाखंड ज्यादा करते हैं। इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे फिर कहाः सही है! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले आप मेरे कहने से कुछ कर सकती है। महिला बोलीः आप बताइए क्या करना है। पुजारी ने कहाः एक गिलास पानी से भरकर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नही चाहिए। महिला बोलीः में ऐसा कर सकती हूँ फिर थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया। उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछेः

1) क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? 2) क्या आपने किसी को मंदिर मे गपसप करते देखा? 3) क्या किसी को पाखंड करते देखा?

महिला बोलीः नही मैंने कुछ भी नही देखा। फिर पुजारी बोलेः जब आप परिक्रमा लगा रही थी तो आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इस में से पानी न गिर जाए इसलिए आपको कुछ दिखाई नही दिया। अब जब भी आप मंदिर आए तो सिर्फ अपना ध्यान परम पिता परमात्मा में ही लगाना फिर आपको कुछ दिखाई ही नही देगा। सिर्फ भगवान ही सर्ववृत दिखाई देगा, जब ऐसा होगा तो स्वयं ही कल्पना कर लीजिएगा।

बागुरुम्बा डांसर

पारंपरिक कपड़ों में बागुरुम्बा डांसर, बोडो समुदाय के बटरफ्लाई डांस के अब तक के सबसे बड़े परफॉर्मेंस के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश के लिए गोहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में रिहर्सल कर रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी मुख्य इवेंट देखने वाले हैं।

आज की पाती

स्वतंत्रता का अनुचित प्रयोग

कुछ कथित उच्च शिक्षित, जाहिल, गंवार लोग जब सार्वजनिक रूप से (विशेषकर सोशल मीडिया पर) सड़कछाप व्यवहार करने लगते हैं तो ऐसे मूर्ख लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उसी क्षण खत्म हो जाती है। कला और विचार प्रकट करने की आजादी के नाम पर किसी को भी देश, समाज में अश्लीलता फैलाने के उपद्रव को दुनिया का कोई भी सभ्य-सुसंस्कृत संविधान कभी कोई स्वतन्त्रता प्रदान नहीं करता। ऐसे सर्वथा अवांछित, अप्रिय, समाज विरोधी कार्य करने वालों का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन करने वाले सभी आधुनिक मनोरोगी भी उतने ही बड़े अपराधी माने जाने चाहिए। सिर्फ मजाक के नाम पर ही नहीं, कई बार गंभीर मुद्दा में प्रदर्शन करते हुए भी कुछ पॉडकास्ट पर दुर्जन लोग गंदी, अश्लील, अभद्र, अशोभनीय बातें करते हैं। आजादी का अनुचित लाभ नहीं उठाना चाहिए। - रमेश यदु, रायगढ़

करंट अफेयर

ताकतवर देशों को सुधार के लिए आगे रहना चाहिए : संरा

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि दुनिया के सबसे ताकतवर देशों को सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए सबसे आगे रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करेंगे, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। संरा महासचिव गुतारेस ने बृहस्पतिवार को 193 सदस्यीय महासभा में 2026 के लिए अपनी प्राथमिकताओं पर अपने भाषण में कहा, ''ऐसी संस्थाओं में सुधार होना चाहिए जो आज की दुनिया को दर्शाती हों। 1945 के समस्या समाधान के तरीकों से 2026 की समस्याओं का हल नहीं निकलेगा। अगर ढांचे हमारे समय, हमारी दुनिया, हमारी वास्तविकताओं को नहीं दिखाते हैं तो वे अपनी पहचान खो देंगे।'' उन्होंने समकालिक वास्तविकताओं को दिखाने के लिए वैश्विक संस्था में सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं का वैश्विक जीडीपी में हिस्सा हर दिन थोड़ा-थोड़ा कम हो रहा है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं का आकार, ताकत और असर बढ़ रहा है। गुतारेस ने कहा, जो लोग आज विशेषाधिकारों से चिपके रहने की कोशिश करते हैं, उन्हें कल इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

ऑफ बीट

आसमानी बिजली के अलग-अलग रूप

सदियों से आसमानी बिजली लोगों का ध्यान खींचती रही है। यह (आसमानी बिजली) मिथक, धर्म और लोकप्रिय संस्कृति में बसी हुई है। बिजली तब उत्पन्न होती है जब बादलों में विद्युत आवेश का निर्माण होता है। यह कुछ हद तक वैसा ही है जैसे जब आप अपने बालों को कंघी करते हैं या ट्रैम्पोलिन पर कूदते हैं तो बाल खड़े हो जाते हैं, लेकिन बादलों में विद्युत आवेश के निर्माण की प्रक्रिया बहुत अधिक तीव्र होती है। बादलों में यह आवेश तब बनता है जब ठोस और तरल जलकण आपस में टकराते हैं, जो गर्म हवा ऊपर उठने और ठंडी हवा नीचे गिरने (संवहन) के कारण होता है। जब आवेश अत्यधिक बढ़ जाता है, तो बिजली हवा के माध्यम से प्रवाहित होती है, जिसे हम चमक के रूप में देखते हैं। हम बिजली की चमक तुरंत देख लेते हैं, लेकिन गरज की आवाज बाद में आती है। आवाज़ को एक किलोमीटर की दूरी तय करने में लगभग तीन सेकंड लगते हैं। चमक और गरज के बीच का समय देखकर बिजली की दूरी का अनुमान लगाया जा सकता है। वैसे, बिजली सिर्फ पृथ्वी पर ही नहीं पाई जाती; वैज्ञानिकों ने हाल ही में मंगल ग्रह पर भी इसे देखा है।

ट्रेंड

गठबंधन की प्रचंड जीत

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की प्रचंड जीत यह बताती है कि जनता का विश्वास सिर्फ एनडीए की विकास नीति पर है। यह ऐतिहासिक सफलता, महायुति सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास और जनकल्याण के कार्यों पर जनता की मुहर है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

स्टार्टअप इंडिया का दशक

स्टार्टअप इंडिया ने एक दशक पूरा कर लिया है और यह भारत के विकास गाथा में एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित इस पहल ने डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को सशक्त बनाया है, 21 लाख रोजगार सृजित किए हैं।

- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

विकास की राजनीति

महाराष्ट्र की सभी 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की जनता ने स्थिर नेतृत्व, सुशासन और विकास की राजनीति पर अपना भरोसा जताया है।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

ज़ुल्म और अत्याचार

भाजपा अपने संगी-साथियों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर-दुकानदार को दल रही है। ये ज़ुल्म और अत्याचार जनता अब और नहीं सहेगी। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर

फोनः 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेलः haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइटः www.haribhoomi.com

बीएमसी चुनाव के नतीजों ने मुंबई की राजनीति की बदल दी पूरी तस्वीर

बीएमसी (बीएमसी) चुनाव के नतीजों ने मुंबई की राजनीति की पूरी तस्वीर बदल दी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस महाजंग में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर देश की सबसे अमीर महानगर पालिका पर अपना परचम लहरा दिया है। इस बड़ी जीत के साथ ही अब सबकी नजरें इस सवाल पर टिकी है कि मुंबई का अगला मेयर कौन होगा?

कौन होगा मुंबई का नया मेयर? भाजपा की जीत के बाद 5 चेहरों पर चर्चा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बेहद प्रभावशाली और रणनीतिक बयान दिया था कि 'मुंबई का अगला मेयर हिंदू और मराठी होगा।' अब जब नतीजे बीजेपी के पक्ष में आए हैं, तो फडणवीस का यह वादा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि बीजेपी के लिए एक बड़ी चुनौती और अवसर बन गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय पहचान और क्षेत्रीय गौरव को बढ़ावा देना कोई संकीर्ण राजनीति नहीं बल्कि संवैधानिक अधिकार है। बीएमसी (बीएमसी) चुनाव 2026 के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'मेयर हिंदू और मराठी होगा' वाले बयान के बाद, पार्टी के भीतर उन चेहरों की चर्चा तेज हो गई है जो इस कसौटी पर खरे उतरते हैं।

सीएम फडणवीस का ऐलान- 'मुंबई का अगला मेयर हिंदू और मराठी होगा'

मेयर पद के लिए इन 5 नामों पर चर्चा

तेजस्वी घोसालकर : दहिसर (वार्ड नंबर 2) से 10,000 से अधिक वोटों से जीत दर्ज करने वाली तेजस्वी इस समय बीजेपी की सबसे बड़ी 'पोस्टर गर्ल' हैं। उन्होंने उद्धव गुट के गढ़ में सेंध लगाई है। वह युवा हैं, शिक्षित हैं और मुख्यमंत्री के 'मराठी-हिंदू' फॉर्मूले में पूरी तरह फिट बैठती हैं।

प्रकाश दरेकर : विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष प्रवीण दरेकर के भाई प्रकाश दरेकर ने वार्ड नंबर 3 से शानदार जीत हासिल की है। दरेकर परिवार का मुंबई और विशेषकर उत्तर-पश्चिम मुंबई के मराठी वोट बैंक पर जबरदस्त प्रभाव है। उनके पास प्रशासनिक अनुभव भी है, जो उन्हें मेयर पद का प्रबल दावेदार बनाता है।

प्रभाकर शिंदे : बीएमसी में बीजेपी के पूर्व गुट नेता प्रभाकर शिंदे पार्टी के सबसे

अनुभवी पार्षदों में से एक हैं। उन्हें नगर निगम के कामकाज और नियमों की गहरी समझ है। 'मराठी चेहरा' होने के साथ-साथ अनुभवी होने के कारण वह मेयर की कुर्सी के लिए सुरक्षित विकल्प माने जा रहे हैं।

मकरंद नार्वेकर : विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के भाई मकरंद नार्वेकर दक्षिण मुंबई के एक रसूखदार नाम हैं। वह लगातार जीतते आ रहे हैं और कोलाबा क्षेत्र में उनकी पकड़ बहुत मजबूत है। हालांकि वह 'मराठी' वर्ग से आते हैं, लेकिन उनकी छवि एक आधुनिक और विकासवादी नेता की है, जिसे बीजेपी भुनाना चाहेगी।

राजश्री शिरवाडकर : वार्ड नंबर 172 से जीतने वाली राजश्री शिरवाडकर बीजेपी की एक निष्ठावान और आक्रामक मराठी महिला चेहरा हैं। अगर पार्टी किसी महिला को मेयर बनाने का फैसला करती है (आरक्षण के आधार पर), तो राजश्री का नाम सबसे ऊपर होगा। वह स्थानीय मुद्दों पर काफी सक्रिय रहती हैं।

1 लाख तक होती है सैलरी

मुंबई के मेयर को सरकारी कर्मचारी की तरह 'सैलरी' नहीं बल्कि हर महीने मानधन दिया जाता है, जो लगभग 50,000 से 1,00,000 रुपये के बीच होता है। इसके अलावा उन्हें बंगला, गाड़ी और अन्य भत्ते मिलते हैं।

ढाई साल का होता है कार्यकाल

मुंबई मेयर का कार्यकाल 2.5 साल (ढाई साल) का होता है। 5 साल के निगम कार्यकाल के दौरान दो अलग-अलग मेयर (या एक ही व्यक्ति दो बार) चुने जा सकते हैं।

कार्यकारी शक्तियां 'म्युनिसिपल कमिश्नर' के पास : मेयर मुंबई का 'प्रथम नागरिक' होता है, हालांकि कार्यकारी शक्तियां 'म्युनिसिपल कमिश्नर' के पास होती हैं, लेकिन मेयर सदन की बैठकों की अध्यक्षता करता है और शहर की नीतियों को प्रभावित करने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

खबर संक्षेप

धनुष-मृणाल वैलेंटाइन डे पर करेंगे शादी!

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार धनुष और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर एक बार फिर अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। फ्री प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, मृणाल और धनुष अगले महीने की 14 फरवरी यानी कि वैलेंटाइन डे के मौके पर शादी करेंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ये शादी के एक प्राइवेट सेरेमनी होगी, जिसमें दोनों की फैमिली और क्लोज फ्रेंड्स मौजूद रहेंगे। हालांकि धनुष या मृणाल में से किसी ने कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है। बता दें कि पिछले साल अगस्त में मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' के प्रीमियर के दौरान धनुष को देखा गया था।

द.कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति को 5 साल की जेल

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पांच साल जेल की सजा सुनाई है। उन्होंने दिसंबर 2024 में पद पर रहते हुए देशभर में मार्शल लॉ लगाने की कोशिश की थी। अदालत ने इसे सत्ता का गलत इस्तेमाल माना। जज ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि यून ने देश को राजनीतिक संकट में डाल दिया था।

एक्टर दीपक तिजोरी से लाखों रुपए की ठगी!

मुंबई। फिल्म के लिए फंड दिलाने के नाम पर बॉलीवुड एक्टर दीपक तिजोरी से 2.5 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, दीपक तिजोरी अपनी नई फिल्म के लिए पैसों की व्यवस्था कर रहे थे। इसी दौरान एक दोस्त ने उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई, जिसने खुद को एक म्यूजिक कंपनी से जुड़ा बताया। जिसके बाद पिछले साल फरवरी में तिजोरी की मुलाकात एक महिला से कराई गई, जिसने खुद को फिल्म प्रोड्यूसर बताया और फिल्म के लिए इन्वेस्टर दिलाने का भरोसा दिया।

स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

'समस्याओं का हल निकाल रहे युवा स्टार्टअप से 21 लाख को रोजगार'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस और स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया। जहां, पीएम मोदी ने कहा है कि सबसे अहम बात यह है कि भारत के युवा असली समस्याओं को हल करने पर ध्यान दे रहे हैं। पीएम ने कहा कि मैं उन सभी युवा इनोवेटर्स की बहुत सराहना करता हूं जिन्होंने नए सपने देखने की हिम्मत की है। पीएम मोदी ने कहा कि आज, हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। यह 10 साल का सफ़र आप जैसे हज़ारों-लाखों सपनों का सफ़र है। यह अनगिनत कल्पनाओं के सच होने का सफ़र है। सिर्फ 10 सालों में, स्टार्टअप इंडिया मिशन एक क्रांति बन गया है। भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। 2014 में, भारत में सिर्फ 4 यूनिकॉर्न थे, आज भारत में लगभग 125 एक्टिव यूनिकॉर्न हैं। दुनिया भी इस सफलता की कहानी को हैरानी से देख रही है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम

10 साल पहले 500 स्टार्टअप थे, आज 2 लाख से ज्यादा

समस्याओं के समाधान पर ध्यान दे रहे : मोदी ने आगे कहा कि भारतीय युवा, वास्तविक समस्याओं के समाधान पर ध्यान दे रहे हैं, स्टार्टअप इंडिया मिशन एक क्रांति बन गया है। भारत में 2014 में केवल चार स्टार्टअप थे और आज 125 से अधिक सक्रिय यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। यूनिकॉर्न कंपनियां अब अपने आईपीओ ला रही हैं और रोजगार सृजित कर रही हैं। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश है, स्टार्टअप की संख्या दो लाख से अधिक हो गई है। मझोले और छोटे शहरों तथा यहां तक कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी अपने स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं। आज 45 प्रतिशत स्टार्टअप में महिला निदेशक या भागीदार हैं।

10 साल में स्टार्टअप्स से 21 लाख नौकरियां : गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री ने देश के समक्ष एक नई सोच रखी थी। हम सबको गर्व है कि आपके नेतृत्व में देश भर में बदलाव दिख रहा है, 2016 में जब स्टार्टअप इंडिया लॉन्च हुआ तो मात्र 400 के करीब स्टार्टअप हुआ करते थे। आज इस मुहिम ने एक विशाल रूप ले लिया है और 2 लाख से अधिक स्टार्टअप है। अनुमान है कि इन स्टार्टअप के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से 21 लाख से अधिक नौकरियां अभी तक प्रदान कर दी गई है।

'आज हम कहां से कहां पहुंच गए'

पीएम मोदी ने कहा कि आज से 10 साल पहले, विज्ञान भवन में 500700 नौजवानों के बीच इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी। उस समय स्टार्टअप की दुनिया में जो नए-नए लोग आ रहे थे, उनके अनुभव मैं सुन रहा था और मुझे याद है एक बेटी, जो कॉरपोरेट वर्ल्ड से अपनी नौकरी छोड़कर स्टार्टअप की तरफ जा रही थी। नौकरी छोड़कर वो कोलकाता अपनी मां से मिलने गई और मां से कहा कि मैंने नौकरी छोड़ दी है और मैं स्टार्ट करना चाहती हूं। फिर उसकी मां ने कहा, सर्वनाश, तुम बर्बादी की राह पर क्यों जा रही है? स्टार्टअप को लेकर ये सोच हमारे देश में थी और आज हम कहां से कहां पहुंच गए, विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक, जहां जगह नहीं है। नेशनल स्टार्टअप डे का ये अवसर, स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का ये समूह, मैं अपने सामने नए और विकसित होते भारत का भविष्य देख रहा हूं।

अवैध वॉकी-टॉकी बेचना पड़ा भारी

अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो पर लगाया गया 44 लाख जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीसीपीए यानी केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 8 ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर 44 लाख रुपये का जुर्माना ठोंका है। जुर्माना लगाया गया है, एक विवादित आइटम बेचने की वजह से। सीसीपीए ने इसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार कानूनों का उल्लंघन माना है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि सीसीपीए ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए मीशो, मेटा (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, अमेजन और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने पाया कि इन ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की वेबसाइट पर अनधिकृत वॉकी-टॉकी लिस्ट हैं और बेचे जा रहे हैं। ये प्लेटफॉर्म लाइसेंस से छूट वाले आवृत्ति बैंड के बाहर संचालित हो रहे पर्सनल मोबाइल रेडियो (पीएमआर) बेच रहे थे, जिनसे अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। वे बिना ईटीए सर्टिफिकेशन यानी 'उपकरण प्रकार अनुमोदन' प्रमाणन या लाइसेंसिंग जरूरतों के सही डिस्क्लोजर के ऐसा कर रहे थे।

इसमें है केवल लाइसेंस छूट

मौजूदा नियमों के तहत, लाइसेंस छूट केवल 446.0-446.2 मेगाहर्ट्ज बैंड में ही संचालित होने वाले पर्सनल मोबाइल रेडियो (पीएमआर) पर लागू होती है। स्मॉल-कैटगरी रेडियो आवृत्ति उपकरणों के उपयोग संबंधी नियम 2018 का नियम-5 कहता है कि वॉकी-टॉकी बनाने वाली कंपनियों और बेचने वालों को ऐसे उपकरणों के आयात, बिक्री या संचालन से पहले ईटीए (अनुमति और प्रमाणीकरण) प्राप्त करना जरूरी होता है।

इन्हें नोटिस हुए जारी

इन प्लेटफॉर्म्स पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन वाले उत्पाद के सूचीबद्ध किए जाने की पहचान के बाद 13 ई-कॉमर्स मंचों चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो, मीशो, मास्कमैन टॉयज, ट्रेडइंडिया, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजीज, वरदानमार्ट, इंडियामार्ट, मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, कृष्णा मार्ट और अमेजन को नोटिस जारी किए गए।

क्यों गंभीर है यह मामला

यह सिर्फ नियम तोड़ने का मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा मुद्दा है. अनधिकृत रेडियो डिवाइस पुलिस, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं के संचार नेटवर्क में दखल दे सकते हैं. इससे सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को सीधा खतरा हो सकता है।

मणिकर्णिका घाट मामले में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाया आरोप

'मोदी-योगी सरकार कर रही है हजारों साल पुरानी धार्मिक विरासत ध्वस्त'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने वाराणसी (काशी) के मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों और प्रतिमाओं को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा है कि विकास के नाम पर विरासत का विनाश किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि हिंदुत्व का दिखावा करने वाली केंद्र की मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हजारों साल पुरानी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त कर रही है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अभय दुबे ने कहा कि विकास और सुंदरीकरण के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी (काशी) के हजारों साल पुराने मंदिरों को तोड़ा जा रहा है और घाटों को तबाह किया जा रहा है।

सैकड़ों साल पुराने मंदिर और शिवलिंग ध्वस्त

कांग्रेस नेता अजय राय ने मणिकर्णिका घाट के सौंदर्यीकरण के नाम पर बुलडोजर चलवाए जाने पर निशाना साधते हुए कहा कि 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा घाट का सुंदरीकरण करने के लिए शिलान्यास किया गया था, लेकिन सौंदर्यीकरण के नाम पर घाट को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा जीर्णोद्धार किए गए इस घाट पर उनकी मूर्तियों, सैकड़ों साल पुराने मंदिरों और शिवलिंग को ध्वस्त करने के साथ-साथ जिस स्थान पर माता पार्वती की मणि गिरी, उस जगह को भी तोड़ दिया गया है।

ये है मांग

कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि मणिकर्णिका घाट पर चल रहा कार्य तत्काल रोका जाए। काशी के धर्माचार्यों से बातचीत कर आगे का कार्य किया जाए। दालमंडी को बुलडोज होने से बचाया जाए और वहां के व्यापारियों-निवासियों के पुनर्वास की पूरी व्यवस्था की जाए।

नीदरलैंड से मां को ढूंढ़ने के लिए भारत आए डच मेयर फाल्गुन

हर कर्ण को है मां कुंती से मिलने का अधिकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

10 फरवरी 1985 को महाराष्ट्र के नागपुर में एक बच्चे का जन्म हुआ। जन्म के महज तीन दिन बाद ही उसकी मां ने उसे छोड़ दिया। 1 महीने तक वो बच्चा अनाथ आश्रम में रहा और फिर मुंबई घूमने आए डच कपल ने बच्चे को गोद ले लिया। वो उसे अपने साथ नीदरलैंड ले गए। इस घटना को 41 साल हो गए हैं। नीदरलैंड में बच्चे की परवरिश हुई और आज वो नीदरलैंड के एक शहर का मेयर बन चुका है। उनका नाम है फाल्गुन बिनेनडिज्क, जो 41 साल की उम्र में अपनी मां को ढूंढने के लिए भारत आए हैं। आधिकारिक रिकॉर्ड्स के अनुसार, फाल्गुन की मां 21 वर्षीय अविवाहित युवती थी, जिसमें समाज के डर से अपने बच्चे को तीन दिन बाद की नागपुर के एमएसएस में छोड़ दिया था। ये जगह अनाथ बच्चों और पीड़ित महिलाओं के लिए है।

41 साल पहले जैविक मां ने शेल्टर होम में छोड़ा था | नागपुर में जन्म के तीन दिन बाद ही मां ने छोड़ दिया था

नर्स ने दिया 'फाल्गुन' नाम

एमएसएस की एक नर्स ने बच्चे को नाम दिया था। दरअसल हिंदू कैलेंडर के अनुसार, फरवरी के महीने को फाल्गुन कहा जाता है। बच्चे का जन्म भी फरवरी में हुआ था, जिसके कारण नर्स ने उन्हें फाल्गुन कहना शुरू कर दिया। कुछ हफ्तों बाद फाल्गुन को मुंबई लाया गया, जहां 1 डच कपल ने उन्हें गोद ले लिया और नीदरलैंड ले गए।

18 साल की उम्र में आए पहली बार भारत

फाल्गुन पहली बार 18 साल की उम्र में 2006 में भारत आए थे। इस दौरान उन्होंने दक्षिण भारत की सैर की थी। मगर, इस बार फाल्गुन ने अलग मकसद से वापसी की है।

वन बल प्रमुख पर वन कर्मचारी संघ ने तानाशाही रवैया अपनाने का लगाया आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ ने वन क्षेत्रपाल के पांच प्रतिशत पदों पर विज्ञान स्नातक कर्मचारियों की भर्ती तथा संविदा में कार्यरत प्यून तथा ड्राइवर को वर्दी देने का विरोध किया है। वन कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत दुबे ने इस संबंध में बयान जारी कर कहा है कि वे इस संबंध में मुख्यमंत्री, वनमंत्री को ज्ञापन सौंप कर विरोध व्यक्त करेंगे। वन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष के अनुसार वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए वनक्षेत्रपाल के पांच प्रतिशत पदों को विज्ञान स्नातक कर्मचारियों से विभागीय परीक्षा के माध्यम से भरने संबंधी सेवा भर्ती नियम में संशोधन का प्रस्ताव शासन को भेजा है, जो कि स्वीकृत पदों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

पुरानी पेंशन योजना के चार लाख कर्मियों के लिए सरकार ने बनाया पेंशन निधि नियम, जमा राशि का करेंगे निवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के अधीन काम कर रहे करीब चार लाख सरकारी कर्मियों के लिए पेंशन निधि नियम 2026 बनाया गया है। खास बात ये है कि यह पुरानी पेंशन योजना ओपीएस के सदस्यों के फंड पर लागू होगी। ओपीएस फंड की राशि सरकार, भारत सरकार की प्रतिभूतियों, सुरक्षित बांड और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अनुमोदित अन्य सुरक्षित निवेश साधनों में करेगी। सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार पेंशन फंड का उपयोग पेंशन फंड की राशि के उपयोग के लिए किया जाएगा। मोटे तौर पर देखा जाए तो इसे इस तरह समझ सकते हैं कि राज्य सरकार को भविष्य में अपने सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन के साथ रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली राशि की अदायगी करनी है। जाहिर है इस काम में हर साल बड़ी राशि लगनी है। लिहाजा राज्य सरकार ने इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। ये भी तय है कि आने वाले समय पर सरकार पर पेंशन राशि के भुगतान का दायित्व बढ़ना ही है। इसीलिए इस फंड में निवेश के माध्यम से राशि जुटाई जाएगी। यह निधि एक सुरक्षा कवच की तरह कार्य करेगी ताकि भविष्य में पेंशन के भारी वित्तीय बोझ के कारण राज्य के बजट पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

सरकार पर बढ़ेगा पेंशन फंड का लोड, इसलिए अभी से तैयारी

इस तरह होगा मैनेजमेंट और निधि की निगरानी

इस फंड के संचालन के लिए वित्त विभाग, निधि के प्रबंधन की निगरानी और अधिनियम तथा इन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक निधि प्रबंधन इकाई की स्थापना करेगा। निधि प्रबंधन इकाई में पदेन सचिव, वित्त विभाग अध्यक्ष, संचालक, बजट उपाध्यक्ष होंगे।) नियुक्त निधि प्रबंधक के दैनिक संचालन की निगरानी एवं संचार के प्राथमिक संपर्क हेतु सचिव, वित्त विभाग एक नोडल अधिकारी पदाभिहित करेंगे, जो उप-सचिव की श्रेणी से निम्न नहीं होगा। सचिव, वित्त विभाग, निधि प्रबंधन और निधि निवेश विषयों पर तकनीकी मामलों पर सलाह देने के लिए किसी विषय विशेषज्ञ को नामित कर सकेंगे।

निधि प्रबंधन इकाई करेगी ये काम

निधि प्रबंधन इकाई अधिनियम की धारा 9 के अनुसार निवेश के लिए दिशा निर्देश और कार्यनीति तैयार करना और जारी करने, निधि के प्रदर्शन का आंकलन और मूल्यांकन, निवेश, विनिवेश, पुनर्निवेश, पोर्टफोलियो समायोजन की समीक्षा और अनुमोदन करना, अधिनियम और इन नियमों के अनुपालन की निगरानी करने के साथ ही यह सुनिश्चित करने का काम करेगी कि निधि का कोई भी निवेश या संचालन अधिनियम के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन न हो।

यह किन कर्मियों के लिए होगा?

यह निधि मुख्य रूप से उन कर्मियों के लिए है जो पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के दायरे में आते हैं इनमें वे शासकीय कर्मचारी जिन्होंने एनपीएस छोड़कर ओपीएस का विकल्प चुना है। वे कर्मचारी जो 1 नवंबर 2004 के बाद नियुक्त हुए थे और अब राज्य सरकार की नई पेंशन व्यवस्था के अंतर्गत लाभान्वित हो रहे हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, मरवाही मुख्या. पेण्ड्रा जिला-गौ.पे.म. (छ.ग)

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना क्रमांक 08/2025-26

क्रमांक / 42 / वलेलि / ग्रायांसेवा/2025-26 पेण्ड्रा, दिनांक 14.01.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से पंजीकृत एकीकृत पंजीयन प्रणाली से प्रपत्र 'ए' में दर्शित निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दर प्राप्त करने हेतु आनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा आमंत्रण	निविदा कार्यालय में पहुचने कि अंतिम तिथि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
जिला पंचायत भवन निर्माण कार्य गौरेला पेण्ड्रा मरवाही (छ.ग.)	301.32	प्रथमबार	03.02.2026	09 माह वर्षा ऋतु सहित

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 15.01.2026 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-मरवाही

जी. 252606108/2

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, वि./ यां. मिनीमाता बांगो संभाग माचाड़ोली, मुख्यालय-कटघोरा, कोरबा (छ.ग.)

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 183823/निविदा सूचना क्र. 07/व.ले.लि./2025-26 दिनांक. 14.01.2026 निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑन लाईन लमसम निविदा दिनांक 04.02.2026,17:30 तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा सूचना क्रमांक	निविदा सिस्टम क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
05/ व.ले.लि./ 25-26 दिनांक 14.01.2026	183823 (प्रथम आमंत्रण)	कमांड क्षेत्र विकास का आधुनिकीकरण (M-CAD)- समृद्धि योजना के अंतर्गत 4933 हेक्टेयर सीसीए हेतु जिला जशपुर (छ.ग.) के मैनी नदी स्थित बगिया क्लस्टर में दाबयुक्त पाइप सिंचाई नेटवर्क (PPIN) के विकास तथा सिंचाई सेवाओं की उपलब्धता के लिए सिंचाई सेवा प्रदाता (ISP) का चयन ।	9219.65 लाख जी.एस.टी. छोड़कर (एस.ओ.आर. दि. 01.05.2025 एवं संशोधित दि. 08.08.2025 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 21.01.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में अनुमोदन कराना अनिवार्य हैं।

कार्यपालन अभियंता
वि./यां. मिनीमाता बांगो संभाग,
माचाडोली, मुख्य.: कटघोरा (छ.ग.)

जी. 252606102/4

कार्यालय नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा, जिला - कोरबा (छ.ग.)
e-mail: nagarpalikabankimongra@rediffmail.com Pin No- 495445

क्रमांक / 93/ राजस्व/न.पा.प./ 2025 बांकीमोंगरा, दिनांक 16.01.2026

सम्पत्ति कर का दर स्व निर्धारण त्रुटि सूधार संशोधन सूचना

नव गठित नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा के सम्पत्ति कर के दर स्व निर्धारण हेतु नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा के परिषद् बैठक दिनांक 16.04.2025 द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया जो निम्नानुसार है :-

क्र.	संपत्ति का प्रकार	आवासीय भवन/ भूमि				व्यवसायिक भवन/ भूमि				औद्योगिक भवन/ भूमि			
		जोन क्र.1	जोन क्र.2	जोन क्र.3	जोन क्र.4	जोन क्र.1	जोन क्र.2	जोन क्र.3	जोन क्र.4	जोन क्र.1	जोन क्र.2	जोन क्र.3	जोन क्र.4
1	आर.सी.सी/ आर.जी.सी./ पत्थर से छतयुक्त पक्का मकान	20.00	15.00	15.00	15.00	50.00	30.00	30.00	22.00	80.00	50.00	50.00	25.00
2	जी.आई. सीट/ एसी शीट/ कबेलु युक्त मकान	10.00	10.00	10.00	10.00	40.00	25.00	25.00	15.00	50.00	30.00	30.00	15.00
3	आंशिक पक्का/कच्चा मकान	10.00	9.00	9.00	9.00	25.00	15.00	15.00	12.00	30.00	25.00	25.00	12.00
4	भूमि	6.00	6.00	6.00	6.00	8.00	8.00	8.00	8.00	10.00	10.00	10.00	10.00

आवासिय भवन/व्यवसायिक भवन/औद्योगिक भवन / मुख्य बाजार, मुख्य सड़क (जोन कं 01) एवं मुख्य बाजार, मुख्य सड़क से हटकर का (जोन कं 02) में 50मी के अंतर्गत, (जोन कं 03) में 100मी के अंतर्गत, (जोन कं 04) में 150मी अंतर्गत या उससे अधिक के अंतर्गत।

अध्यक्ष महोदय द्वारा अनुमोदित।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बांकीमोंगरा जिला - कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
ब्लाक-डी, भू-तल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर छत्तीसगढ़
Phone No. 0771-2263708, Fax No.-2262558,
www.tribal.cg.gov.in, Email- ctd.cg@nic.in

क्रमांक/105/रा.यु.उ.यो./2025-26/11877 नवा रायपुर दिनांक 15/1/2026

-:: सूचना ::-

वर्ष 2025-26 में राजीव युवा उत्थान योजना अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की नई दिल्ली में तैयारी हेतु दिनांक 28.12.2025 को आयोजित प्राक्चयन परीक्षा के मेरिट सूची अनुसार दस्तावेज सत्यापन के संबंध में सूचना

राजीव युवा उत्थान योजना नियमावली वर्ष 2019 के भाग (A) अंतर्गत राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थी जो नई दिल्ली स्थित विभाग द्वारा सूचीबद्ध कोचिंग संस्थाओं से वर्ष 2025-26 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने हेतु इच्छुक हैं, से ऑनलाईन आवेदन पत्र आंमत्रित किया गया है। जिसकी प्राक्चयन परीक्षा दिनांक 28.12.2025 को आयोजित कर मेरिट सूची विभागीय वेबसाईट में अपलोड की गई है। मेरिट सूची के आधार पर दस्तावेज सत्यापन हेतु आमंत्रित किये जाने वाले वर्गवार अभ्यर्थियों की सूची एवं कार्यक्रम विवरण विभागीय वेबसाईट www.tribal.cg.gov.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

अत: दस्तावेज सत्यापन हेतु संबंधित अभ्यर्थी योजना नियम की कंडिका-01 अनुसार आवश्यक मूल अभिलेख सहित निर्धारित तिथि एवं समय में मुख्यालय इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर स्थित मीटिंग हॉल क्र.-04, तृतीय तल में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि, समय एवं वांछित अभिलेखों का विशेष ध्यान रखा जावे। अनुपस्थित अभ्यर्थी एवं अपूर्ण अभिलेखों पर विचार नहीं किया जायेगा। निर्धारित तिथि एवं समय उपरांत दस्तावेज सत्यापन नहीं किया जायेगा और न ही कोई अभ्यावेदन मान्य किया जायेगा।

प्र. आयुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
नवा रायपुर अटल नगर छत्तीसगढ़

जी. 252606097/2

जांच के लिए ना हो वेटिंग इसलिए स्टाफ कर रहा ओवरटाइम, उम्रदराज और बीपीएल मरीजों से शुल्क नहीं

रायपुर। बीमारी का पता लगाने डाक्टरों की पर्ची पर एमआरआई अथवा सीटी स्कैन कराने वालों को कई दिन इंतजार ना करना पड़े, इसलिए रेडियोडायग्नोसिस विभाग के डाक्टर सहित अन्य स्टाफ ओवरटाइम कर रहा है। अस्पताल की ओपीडी में आने वाले उन मरीजों को जांच की सुविधा निशुल्क प्रदान की जा रही है, जो बीपीएल श्रेणी अथवा साठ साल से अधिक की उम्र अथवा अस्पताल में भर्ती हो। आंबेडकर अस्पताल के रेडियोडायग्नोसिस विभाग के पास अभी एक एमआरआई और एक सीटी स्कैन मशीन है। इन मशीनों पर पूरे अस्पताल में आने वाले मरीजों की जांच का जिम्मा है। पूर्व में यहां जांच कराने के लिए मरीजों को सप्ताहभर से पंद्रह दिन तक इंतजार करना पड़ता था। इससे बचने के लिए मरीज निजी अस्पतालों में जाकर पैसे खर्च करते थे। विभाग ने अपनी नई योजना के तहत जांच के लिए वेटिंग देने का सिस्टम बंद कर दिया। मशीनों और मौजूदा संसाधनों के आधार पर ज्यादा से ज्यादा मरीजों की जांच उसी दिन कर रिपोर्ट अगले दिन देने का सिस्टम बनाया। सूत्रों के अनुसार इस सिस्टम से प्रतीक्षा सूची की व्यवस्था बंद हो गई और ज्यादा से ज्यादा मरीजों की जांच के लिए ओवरटाइम का सिस्टम बनाया गया। पहले इन मशीनों से जांच दोपहर तक की जाती थी। इस व्यवस्था में बदलाव किया गया और अब जांच का काम देर शाम तक पूरा किया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ....अ 62/2025-26
ग्राम - कटघोरा / प.ह.नं. 10
तहसील कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक कार्या. नगर पालिका परिषद कटघोरा, जिला कोरबा छग के द्वारा कटघोरा नगर के राधासागर तालाब के निकट बहुउपयोगी मुक्तिधाम मार्ग में जनसुविधा की दृष्टि से सी.सी. रोड निर्माण किया गया है, जिसमें पाँच नग नीलगिरी के वृक्ष बाधक होने के कारण मुक्तिधाम के आवागमन में, दुर्गा विसर्जन कार्य में, एवं आगे के ग्रामों के आवागमन हेतु महत्वपूर्ण मार्ग है। उक्त मार्ग पर 05 नग नीलगिरी के वृक्ष स्थित है। उक्त नीलगिरी के वृक्षों की विदोहन करने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र स्पष्ट प्रतिवेदन/आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कार्यालय कटघोरा से प्राप्त हुआ है। जो कि न्यायालय में विचाराधीन है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो 30.01.2026 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते हैं। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 15.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थान :-कटघोरा
तहसीलदार
कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
CIN-U40105CT2003SGC015822

कार्यालय-कार्यपालन अभियंता (परियोजना) संभाग बिलासपुर

क्रमांक : 11-09/विज्ञापन/1848 बिलासपुर, दिनांक 15.01.2026

आवश्यक सूचना

समस्त जनसाधरण को सूचित किया जाता है कि कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग छ.स्टे.पॉ.डि.कं. लिमि., बिलासपुर के अंतर्गत नीचे उल्लेखित नवनिर्मित 33/11 उपकेंद्र को दिनांक 17.01.2026 के बाद कभी भी उर्जीकृत कर दिया जावेगा। अत: उल्लेखित नवनिर्मित 33/11 उपकेंद्र एवं 33 के.व्ही. लाईन के तार, स्टे एवं खम्भे आदि से किसी भी प्रकार की छेड़ छाड़ न करें एवं लाईन से सुरक्षित दूरी बनावें। उल्लेखित लाईन से किसी भी प्रकार की दुर्घटना हेतु छ.स्टे.पॉ.डि.कं. लिमि. जवाबदार नहीं होगा।

क्र.	नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र का नाम	33 के.व्ही. लाईन की लंबाई	स्थानों का नाम जहां से होकर लाईन गुजर रही है।
1	नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र आसमा सिटी कॉलोनी सकरी बिलासपुर छ.ग.	0.05 कि.मी.	आसमा सिटी कॉलोनी

मिलिंद पाण्डेय (91332088)
कार्यपालन अभियंता (परियोजना) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि., बिलासपुर

सं-46585

कार्यालय नगर पंचायत कुसमी, जिला बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

Phone no./Fax no.-07778-274411 Email id- cmokusmi@rediffmail.com

क्रमांक 36/लो.नि./न.पं./2025-26 कुसमी, दिनांक 16/01/2026

''मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना''

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से अधोसंरचना मद अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से मैन्युअल निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 10.02.2026 सायं 5.30 बजे तक। निविदा खोलने की तिथि : 11.02.2026 प्रात : 10.30 बजे से।

क्र.	कार्य का नाम	एस.ओ.आर.	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि (वर्ष ऋतु सहित)
1	वार्ड क्र. 01 में नकुल के घर के पास धारक दीवाल निर्माण कार्य।	01.01.2015	2.65	2700	750.00	03 माह
2	वार्ड क्र. 01 में मुमताज के घर से सरजू के घर तक नाली निर्माण कार्य	01.01.2015	8.23	6500	750.00	03 माह
3	वार्ड क्र. 01 में समीम के घर से साकीर के घर तक सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	5.00	5000	750.00	03 माह
4	वार्ड क्रमांक 01-03 में सरस्वती शिशु मंदीर स्कूल रोड से रांची रोड तक सी.सी. रोड निर्माण	01.01.2015	5.90	5000	750.00	03 माह
5	वार्ड क्रमांक 02 में मेन रोड से पारे के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	5.33	5000	750.00	03 माह
6	वार्ड क्र. 02 में दुबे घर से शिवचरण घर के नाला तक नाली निर्माण कार्य।	01.01.2015	8.13	6000	750.00	03 माह
7	वार्ड क्रमांक 03 में एस.डी.एम. कार्यालय से पी.एच.ई. आफिस तक सी.सी. रोड निर्माण।	01.01.2015	5.63	5000	750.00	03 माह
8	वार्ड क्र. 03 में अटल परिसर में पेवर ब्लॉक स्थापना कार्य।	01.01.2015	1.03	2000	300.00	03 माह
9	वार्ड क्र. 03 में अटल परिसर में रिटर्निंग वॉल एवं स्टेप निर्माण कार्य।	01.01.2015	3.83	4000	750.00	03 माह
10	वार्ड क्र. 03 में मटन मार्केट से मेन मार्केट तक नाली निर्माण।	01.01.2015	9.65	7200	750.00	03 माह
11	वार्ड क्र. 03 में मनोज के घर के पास क्रॉसिंग कल्वर्ट निर्माण कार्य।	01.01.2015	2.22	2300	750.00	03 माह
12	वार्ड क्र. 03 में चौपाटी में फलोरिंग एवं स्टेप कार्य।	01.01.2015	7.87	6000	750.00	03 माह
13	वार्ड क्रमांक 03 में अमन के घर से कुम्हारपारा पहुंच मार्ग तक नाली निर्माण कार्य।	01.01.2015	7.74	6000	750.00	03 माह
14	वार्ड क्र. 05 में दशम के घर से नारायण के दुकान तक सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	3.95	4000	750.00	03 माह
15	वार्ड क्र. 06 में मोहन ठाकुर के घर से ताजुल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	4.50	4500	750.00	03 माह
16	वार्ड क्र. 06 में. हरिशंकर गुरुजी के घर से चौकीदार के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	2.63	2700	750.00	03 माह
17	वार्ड क्र. 08 में हफीज के घर से नईम के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	01.01.2015	2.63	2700	750.00	03 माह
18	वार्ड क्र. 09 में नूरी मस्जिद के पास सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	2.63	2700	750.00	03 माह
19	वार्ड क्र. 09 में असलम के घर से भारत टेन्ट हाउस तक सी. सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	5.63	5000	750.00	03 माह
20	वार्ड क्र. 10 में शौचालय से स्कूल तक नाली निर्माण कार्य।	01.01.2015	5.52	5000	750.00	03 माह
21	वार्ड क्र. 10 में मेन रोड से कलीम घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	9.38	7200	750.00	03 माह
22	वार्ड क्र. 11 में सामुदायिक भवन में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य।	01.01.2015	6.75	5200	750.00	03 माह
23	वार्ड क्रमांक 11 में तसीम के घर से केरकेट्टा के घर तक नाली निर्माण।	01.01.2015	6.00	5000	750.00	03 माह
24	वार्ड क्र. 11 में पुलिया निर्माण।	01.01.2015	2.00	2000	300.00	03 माह
25	वार्ड क्र. 13 में नासीर के घर से दिनेश के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	5.63	5000	750.00	03 माह
26	वार्ड क्र. 13 में संतोष के दुकान से कुआं तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	5.63	5000	750.00	03 माह
27	वार्ड क्र. 14 में लालसाय के घर से पुलिया तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	01.01.2015	8.26	6200	750.00	03 माह

विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालय के सूचना पटल/लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ हीं यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर देखी / प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत कुसमी, जिला-बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)

सं-46583

कार्यालय नगर पालिका परिषद लोरमी, जिला मुंगेली (छ.ग.)
वार्ड क्रमांक 13, हटरी रोड गुरुद्वारा चौक लोरमी Email- nagarpanchyat.lormi@gmail.com

क./ 599/ न.पा.प./ 2025-26 लोरमी, दिनांक 16/01/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (IInd call)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-Online bids are invited for followings works up to 02.02.2026

1	Bid start date		16.01.2026	17.30
2		Site visit	23.01.2026	10.00 to 13.30
3		Pre bid meeting		14.30 to 16.30
4		Last date of online submission	02.02.2026	17.30
5		Physical/Hard copy submission	05.02.2026	17.30
6	Opening of Envelope, A & B		06.02.2026	11.00
7	Opening of Envelope C		To be intimated later	

S. No.	System Tender No.	Name of Work	Estimated Cost (In Lacs)	Earest Money (In Lacs)	Class of Contractor
1	183937	Combined Raw Water Supply Scheme for Municipal Council Lormi, Mungeli & Takhatpur under AMRUT Mission 2.0 based on Khudiya Dam (Package 1) and Lormi 24X7 (DFT) Water supply scheme (Package II) including 03 months Trial run, 12 months Defects Liability period and 5 years Operation and Maintenance of all Project Components/whole scheme (2 nd Call)	15995.63	80.00	In appro-priate Class

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 16.01.2026 at 17:30 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal. किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी। पृथक से समाचार पत्र प्रकाशित नहीं की जावेगी। Pre bid Queries in MS Word should be emailed latest on 23.01.2026 by 11.00 PM (queries received after that shall not be considered), on email ID-nagarpalikalormi@gmail.com

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद लोरमी

वीबी जी रामजी जैसी अच्छी योजना कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं : डॉ. मिश्रा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने कहा, विकसित भारत जी राम जी अधिनियम को लेकर कांग्रेस लगातार तथ्य और सत्य की अनदेखी कर झूठ फैलाकर प्रदेश के किसानों व मजदूरों को बरगलाने का काम कर रही है। कांग्रेस को ऐसी अच्छी योजनाएं बर्दाश्त नहीं होती हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा, वीबी जी राम जी को लेकर कांग्रेस द्वारा प्रदेश में चल रहा प्रदर्शन कांग्रेस के किसान मजदूर विरोधी चरित्र का परिचायक है। डॉ. मिश्रा ने कहा, दरअसल कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह तथ्यहीन बातें कर रही हैं और वह किसी भी सूरत में प्रदेश में अराजकता का माहौल बनाने के षड्यंत्रों का ताना-बाना बुनने में लगी है। लेकिन कांग्रेस अपने इन मंसूबों में कतई कामयाब नहीं होगी, क्योंकि पूरा प्रदेश कांग्रेस के राजनीतिक पाखण्ड से अच्छी तरह वाकिफ है।

राशिफल

मेष मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की

शब्द पहेली - 6111

बाएँ से दाएँ
1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे
1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली- 6110 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	क्षु		न	भ		रा	ल

सूडोकु नवताल - 6121

✱✱✱✱✩ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6120 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

खबर संक्षेप

रुपया 50 पैसे टूटकर 90.84 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रुपये में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 50 पैसे टूटकर 90.84 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकसी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अस्थिर वैश्विक रुख और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती ने विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी को तेज कर दिया जबकि घरेलू निवेशकों ने निचले मूल्य पर शेयरों की खरीद की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 90.89 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 90.84 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो बुधवार को बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है।

विदेशी मुद्रा भंडार में 39.2 करोड़ डॉलर की वृद्धि दर्ज

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि नौ जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर पर रहा। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर रहा था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.124 अरब डॉलर घटकर 550.866 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं। और इनमें यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 1.568 अरब डॉलर उछलकर 112.83 अरब डॉलर हो गया।

एलटीआई माइंडट्री को सीबीडीटी से मिला ठेका

नई दिल्ली। वैश्विक प्रौद्योगिकी परामर्श एवं डिजिटल समाधान कंपनी एलटीआई माइंडट्री को भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के वास्ते एआई-आधारित कार्यक्रम बनाने के लिए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड से 3,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। यह ठेका सात वर्ष की अवधि में पूरा किया जाएगा। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा, '' एलटीआई माइंडट्री को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से इनसाइट 2.0 परियोजना का ठेका मिला है जिसके तहत भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच के आधुनिकीकरण के लिए एक एआई-संचालित कार्यक्रम विकसित किया जाएगा।

विप्रो का लाभ 7 फीसदी घटकर 3,119 करोड़

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत घटकर 3,119 करोड़ रहा। यह गिरावट नई श्रम संहिता के लागू होने के कारण 302.8 करोड़ के एकमुश्त अस्थायी प्रावधान के कारण आई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी का 24-25 की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 3,353.8 करोड़ रहा था। वित्त वर्ष 25-26 की तीसरी तिमाही में विप्रो की परिचालन आय 5.5 प्रतिशत बढ़कर 23,555.8 करोड़ रुपये हो गई।

साल 2050 तक सोना हो सकता है 40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम, पहुंच से हो रहा दूर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में सोने की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे यह धीरे-धीरे आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ जैसे शहरों में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,43,760 रुपए है। वहीं, 22 कैरेट सोने का भाव 1,31,790 रुपए के करीब चल रहा है। महंगाई जैसे-जैसे बढ़ रही है पैसे की वैल्यू भी कम होती जा रही है। अक्सर हम-आप यह कैलकुलेट कर रहे होते हैं कि 1 करोड़ रुपए की वैल्यू अगले दस या बीस सालों में कितनी रह जाएगी। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 2050 तक सोने की कीमत कितनी रह जाएगी?

शादी-ब्याह में गोल्ड खरीदी के लिए 1 करोड़ रुपए भी पड़ जाएगे कम

सोने से मिल रहा दमदार रिटर्न

बीते कुछ सालों में सोने की कीमतों में गजब का उछाल आया है। इससे इसके निवेशकों की संपत्ति भी कई गुना बढ़ी है। साल 2000 में 24-कैरेट सोने की कीमत सिर्फ 4,400 रुपए प्रति 10 ग्राम और 2020 में 10 ग्राम के 24 कैरेट सोने की कीमत 50,000 रुपए थी। वहीं, आज यह 1,40,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार चला गया है। यानी कि महज छह सालों में सोने की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ गई हैं। बीते 30 साल के आंकड़े भी यही बताते हैं कि भारत में सोने की कीमत सालाना औसतन 10.83 प्रतिशत कंपाउंड वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) रही हैं।

रुपए के अवमूल्यन से बढ़ी कीमतें

रुपए का अवमूल्यन और महंगाई इसकी खास वजहें हैं। वैश्विक तनाव और अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी से सेफ हेवन के रूप में सोने की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऐसे में इसकी कीमत भी अमेरिकी डॉलर में 5-7 प्रतिशत तक बढ़ी है। सोने पर दमदार रिटर्न को देखते हुए भी निवेशक इस ओर आकर्षित हो रहे हैं।

2050 तक कितनी हो जाएगी कीमत?

सोना चूंकि अब 1.40 लाख के ऊपर है, तो अब यह 14.6 प्रतिशत सीएजीआर ग्रोथ रेट को दिखाता है। अगर अगले 25 सालों तक सोने की कीमतें इसी दर (14.6 प्रतिशत सीएजीआर) से बढ़ती रहीं, तो 2050 में 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 40 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। इसका मतलब है कि उस समय 1 करोड़ रुपए में सिर्फ 25 ग्राम सोना ही खरीदा जा सकेगा।

कीमतों में वृद्धि के लिए कई कारक जिम्मेदार

हालांकि, ये कैलकुलेशन सिर्फ एक अनुमान है। सोने की कीमतें कई घरेलू और ग्लोबल फैक्टर्स पर निर्भर करती हैं, जैसे कि ब्याज दरें, डॉलर की स्थिति, सेंट्रल बैंक की नीतियां और ग्लोबल इकॉनमी। हालांकि, अनुमान के आधार पर देखे तो 2050 में सोने की कीमत 40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से ज्यादा या कम हो सकती है।

पीएम 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वी वर्षगांठ पर बोले

अब वैश्विक नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें भारतीय स्टार्टअप : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय स्टार्टअप से विनिर्माण, गहन प्रौद्योगिकी और वैश्विक नेतृत्व पर अधिक ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि 'स्टार्टअप इंडिया' का अगला दशक भारत को नवाचार के वैश्विक अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा करने वाला होना चाहिए।

आज देश में स्टार्टअप की संख्या 2 लाख से अधिक हो चुकी

प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर 'भारत मंडपम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्टार्टअप भारत के आर्थिक और प्रौद्योगिकी भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने 'स्टार्टअप इंडिया' पहल को एक "क्रांति" करार देते हुए कहा कि 2014 में जहां देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज यह संख्या दो लाख से अधिक हो चुकी है।

अगला दशक भारत को अग्रणी पंक्ति में खड़ा करने का होगा

जोखिम लेने की प्रवृति अब मुख्यधारा में आई

प्रधानमंत्री ने कहा कि जोखिम लेने की प्रवृत्ति को पहले हतोत्साहित किया जाता था लेकिन अब वह मुख्यधारा में आ गई है और स्टार्टअप रोजगार सृजन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों से कहा, सरकार आपके हर प्रयास में आपके साथ है। मुझे आपकी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

डिजिटल व सेवा क्षेत्र में अच्छा काम हुआ

इसी तरह सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, /"बीते दशक में डिजिटल और सेवा क्षेत्र के स्टार्टअप में अच्छा काम हुआ है, लेकिन अब समय है कि स्टार्टअप विनिर्माण पर अधिक ध्यान दें और विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाले नए उत्पाद बनाएं।/"

ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी स्टार्टअप खोल रहे

पीएम ने कहा कि मझोले और छोटे शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, जो देश में उद्यमिता के विस्तार को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आज 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता-प्राप्त स्टार्टअप में महिला निदेशक या भागीदार हैं। इसके अलावा महिलाओं की अगुवाई वाले स्टार्टअप को मिलने वाले वित्तपोषण के मामले में भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा परिवेश बन चुका है।

स्टार्टअप मिशन की शुरूआत 16 जनवरी 2016 से हुई

मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों ने भारत की उद्यमशील क्षमताओं को साबित किया है और अब लक्ष्य यह होना चाहिए कि अगले दशक में भारत नए स्टार्टअप रुझानों और प्रौद्योगिकियों में विश्व का नेतृत्व करे। 'स्टार्टअप इंडिया' मिशन की शुरुआत 16 जनवरी, 2016 को हुई थी। इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और रोजगार देने वालों की नई पीढ़ी तैयार करना है।

भारत एआई क्रांति में आगे रहेगा

कृत्रिम मेधा (एआई) पर सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो देश एआई क्रांति में आगे रहेगा, उसे उतना ही अधिक लाभ मिलेगा।

बीएसएनएल ने वायासैट से मिलाया हाथ

भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार उन्नयन कार्यक्रम में करेगा सहयोग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार उन्नयन कार्यक्रम के अगले चरण को शुरू करने के लिए उपग्रह कंपनी वायासैट के साथ सहयोग किया है। यह कार्यक्रम इस महीने के अंत में शुरू होगा।

बीएसएनएल और भारतीय रक्षा बलों के बीच हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत, भारतीय नौसैनिक मंचों के लिए उन्नत, मजबूत और सुरक्षित संपर्क प्रदान करने के लिए वायासैट की उच्च-आवृत्ति श्रेणी वाली केए-बैंड उपग्रह प्रणालियों का उपयोग इसकी मौजूदा निम्न-आवृत्ति श्रेणी वाले एल-बैंड अवसंरचना के साथ किया जाएगा। बीएसएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक रॉबर्ट रवि ने कहा, '' बीएसएनएल को वायासैट के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से उन्नत संपर्क समाधान प्रदान करके भारतीय नौसेना के उपग्रह संचार आधुनिकीकरण में सहयोग करने पर गर्व है। यह कदम भारत की रणनीतिक संचार आवश्यकताओं को मजबूत एवं सुरक्षित बुनियादी ढांचे के साथ पूरा करने के लिए बीएसएनएल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

उपकरण भारत पहुंच चुके

वायसैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा ने कहा, '' उपकरण भारत पहुंच चुके हैं और उसे लगाने का काम इस महीने शुरू होने वाला है। भारतीय नौसेना की उपग्रह संचार क्षमताओं के आधुनिकीकरण में सहयोग करते हुए हमें गर्व हो रहा है। यह उपलब्धि बीएसएनएन और भारतीय रक्षा बलों के साथ हमारे निरंतर सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

चुनिंदा दिग्गज कंपनियों में निकली खरीदारी

इन्फोसिस के सहारे शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 188 अंक चढ़ा

■ बाजार में दो सत्रों के बाद तेजी दर्ज की गई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच चुनिंदा दिग्गज कंपनियों में लिवाली आने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में दो सत्रों के बाद तेजी लौट आई। सेंसेक्स 188 अंक चढ़ा जबकि निफ्टी में 29 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयर पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार दो कारोबारी सत्र की गिरावट के बाद 187.64 अंक बढ़त के साथ 83,570.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 752.26 अंक उछलकर 84,134.97 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी भी उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 28.75 अंक चढ़कर 25,694.35 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा, ''कमजोर रुपये और वैश्विक व्यापार से संबंधित मुद्दों को लेकर चिंताओं से प्रतिभागी सतर्क हैं। भू-राजनीतिक और व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निरंतर सतर्कता को दर्शाते हुए, कुल भागीदारी चुनिंदा एवं विशिष्ट शेयर तक ही सीमित रही। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि 15 जनवरी को वाणिज्य सचिव द्वारा दिए गए इस बयान से भी बाजार की धारणा को बल मिला कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप दिए जाने के करीब पहुंचा जा चुका है।

इंफोसिस में 5.67 फीसदी की तेजी

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से इन्फोसिस के शेयर में सर्वाधिक 5.67 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई जिससे बाजार को संभलने में मदद मिली। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी प्रमुख रूप से लाभ में रहने वालों में शामिल रहे।

मारुति में रही गिरावट

दूसरी ओर, इटर्नल, एशियन पेंट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा और मारुति के शेयर में गिरावट दर्ज की गई।

एक्सप्रेसवे से सटकर बिछाई गई पाइपलाइन

गेल ने की मुंबई-नागपुर गैस पाइपलाइन परियोजना पूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की गैस परिवहन एवं विपणन कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने मुंबई–नागपुर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (एमएनपीएल) परियोजना को पूरा कर लिया है। करीब 694 किलोमीटर लंबी यह पाइपलाइन मुख्यतः महाराष्ट्र की समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे के किनारे तीन मीटर चौड़ी पट्टी में बिछाई गई है।

यह परियोजना 'प्रधानमंत्री गति शक्ति' ढांचे के तहत देश में पहली बार किसी उच्च क्षमता वाली गैस पाइपलाइन को घने परिवहन कॉरिडोर के साथ एकीकृत करने का प्रमुख उदाहरण मानी जा रही है।

अधिकारियों ने कहा कि, इस पाइपलाइन का करीब 675 किलोमीटर लंबा यानी लगभग 96 प्रतिशत हिस्सा समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे के किनारे तीन मीटर चौड़ी पट्टी में बिछाया गया है, जबकि सामान्यतः ऐसी पाइपलाइनों के लिए 20–30 मीटर क्षेत्र की जरूरत होती है। इस दौरान गेल को महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) द्वारा संचालित एक्सप्रेसवे के साथ तालमेल में 24 इंच व्यास की उच्च क्षमता वाली गैस लाइन बिछानी पड़ी।

अधिकारियों के मुताबिक, इस पाइपलाइन की क्षमता लगभग 1.65 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन है और इसमें दोनो दिशाओं में गैस प्रवाह की सुविधा भी है। यह परियोजना अब लगभग पूर्ण परिचालन के करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी घाट के दुर्गम इलाकों में पाइप बिछाना इस परियोजना की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती रही। खासकर फुगले पहाड़ी क्षेत्र में ऊंचाई में 200 मीटर से अधिक का अंतर, पथरीली ढलान, घने वन क्षेत्र और भारी मानसूनी वर्षा ने काम को जटिल बना दिया।

फेडरल बैंक के लाभ में नौ फीसदी का इजाफा

मुंबई। फेडरल बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ नौ प्रतिशत बढ़कर 1,041 करोड़ रुपये रहा। केरल स्थित निजी क्षेत्र के इस बैंक का 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 955 करोड़ रुपये रहा था। बैंक ने शुक्रवार को बयान में कहा कि शुद्ध ब्याज आय नौ प्रतिशत बढ़कर रिकार्ड 2,653 करोड़ रुपये हो गई। यह वृद्धि ऋण में नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी और शुद्ध ब्याज मुनाफे के 0.07 प्रतिशत बढ़कर 3.18 प्रतिशत होने के कारण हुई।

OFFICE OF CHIEF ENGINEER (CIVIL)
C-1 C-2, Power Companies campus, Dangania, Raipur (CG)- 492013
Phone No. : 0771-2574626Website : www.cspdcl.co.in e-mail : cecivil.cspdcl@cspc.co.in

No. 04-03/ Civil-Distr/2551 Raipur, dtd. 15.01.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPDCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriated class in CSPDCL. The unregistered contractor having work experience in Govt./Public sector undertaking /Local bodies/Power Distribution companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below :-

Tender Specification No.	Name of work	NIT Value
CEC/D/ W/25-26/108	Construction of RCC road with drain, RCC underground water storage tank, RCC underground oil storage tank, RCC firewall, filling/levelling of store yard, fire fighting works" at Area Store Depot Campus Budhwari Korba(C.G.)	53.29 Lacs

Note – (1) The detailed NIT, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal NIT value is inclusive of GST@18%

Executive Director (Civil)
CSPDCL Raipur

//Save Electricity//

कार्यालय नगर पंचायत सरसींवा, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक /729/न.पं./लो.नि.वि/2025-26 सरसींवा, दिनांक: 16/01/2026

-: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना :-
(3rd call)

नगर पंचायत सरसींवा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत समक्ष श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	183955	REQUEST FOR PROPOSAL FOR Design. Testing. Construction. Commissioning and setting up of Material Recovery Facility (MRF) & Compost Plant in Municipal Areas of Sarsiwa, Chhattisgarh	53.72	29/01/2026

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत सरसींवा
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र.17/न.पा.नि./जल विभाग/2025-26 दिनांक 16/01/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 11/02/2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	धरोहर राशि
183975	Submersible Motor Pump Repairing Work for (Zone-03)	20.00	15000.00
183976	Submersible Motor Pump Repairing Work for (Zone-04)	20.00	15000.00
183979	Submersible Motor Pump Repairing Work for (Zone-05)	20.00	15000.00
183980	Submersible Motor Pump/Hand Pump Lifting and Lowering Work Zone-03	15.00	11300.00
183981	Submersible Motor Pump/Hand Pump Lifting and Lowering Work Zone-04	15.00	11300.00
183983	Submersible Motor Pump/Hand Pump Lifting and Lowering Work Zone-05	15.00	11300.00
183984	Starter Repairing Work	17.00	13000.00

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, दिनांक 20/01/2026 निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

सम्पत्तिकर, दुकान किराया एवं पानी बिल का भुगतान ऑनलाईन nigambilaspur.com/ptis पर किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
बिलासपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड

आम सूचना

विद्युत अधिनियम 2003, के प्रावधानों एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के लिय टैरिफ के निर्धारण हेतु निर्बंधन एवं शर्तें) विनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुपालन में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (सी.एस.पी.जी.सी.एल.) द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सी.एस.ई.आर.सी.) के समक्ष सी.एस.पी.जी.सी.एल. के लघु/मिनी जलविद्युत संयंत्रो के वित्तीय वर्ष 2026–27 से 2029–30 तक के लिए वार्षिक स्थिर प्रभार/टैरिफ निर्धारण हेतु याचिका दाखिल की गई है। उक्त याचिका को याचिका संख्या 01/2026 के रूप में पंजीकृत किया गया है। याचिका में प्रस्तावित एकल भाग टैरिफ का सारांश निम्नानुसार हैं :–

विवरण	ऊर्जा दर (रु./युनिट)			
	वित्तीय वर्ष 26–27	वित्तीय वर्ष 27–28	वित्तीय वर्ष 28–29	वित्तीय वर्ष 29–30
गंगरेल लघु जल विद्युत गृह	2.642	2.688	2.757	2.834
सिकासार लघु जल विद्युत गृह	3.293	3.401	3.534	3.665
सूक्ष्म जल विद्युत गृह कोरबा	2.678	2.741	2.823	2.902

याचिका की प्रति आयोग की वेबसाइट www.cserc.gov.in एवं सी.एस.पी.जी.सी.एल की वेबसाइट https://cspgcl.co.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त याचिका की मुद्रित प्रति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के कार्यालय एवं साथ ही मुख्य अभियंता (सी.एंड आर.ए.), सी.एस.पी.जी.सी.एल. कार्यालय में भी उपलब्ध है जिसे कार्यालयीन दिवसों में रुपये 200/– का भुगतान कर पूर्वान्ह 11:00 से सांयः 4:00 के बीच प्राप्त की जा सकती है। याचिका की प्रति रुपये 75/– (डाक व्यय) का अतिरिक्त भुगतान कर डाक द्वारा भी प्राप्त की जा सकती है।

उपरोक्त याचिका पर सुझाव/आपत्ति इस आम सूचना के प्रकाशन के 21 दिवस के भीतर सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग, विद्युत नियामक भवन, सिंचाई कॉलोनी, शांति नगर, रायपुर – 492001, ईमेल cserc.sec.cg@nic.in के समक्ष, मुख्य अभियंता (सी.एंड आर.ए.), शेड नं., 06, सी.एस.पी.जी.सी.एल. विद्युत सेवा भवन डंगनियां रायपुर – 492013, ईमेल edcnra@cspc.co.in को प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत किये जा सकते है।

सुनवाई हेतु स्थल एवं दिनांक की सूचना आयोग द्वारा पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित की जा सकती है।

मुख्य अभियंता (सी. एण्ड आर.ए.)
सी.एस.पी.जी.सी.एल., रायपुर

"स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्राफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, वैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साँई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स उपलब्ध
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई न्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा बराबरी से विकास ...

का आरोप नहीं लगा सकता। जितनी मेरे विधानसभा में राशि स्वीकृत की गई है उतनी ही विपक्षी दल के विधायक के क्षेत्र में भी स्वीकृत की गई है। रामपुर विधानसभा में डीएमएफ मद से सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। पाली तानाखार में भी जहां पार्टी 40 हजार वोटों से पीछे रही वहां भी सड़क निर्माण डीएमएफ से कराया जा रहा है।

डॉ. द्विवेदीः आप मंत्री हो तो विपक्षी विधायक के बराबर काम क्यों, उससे अधिक क्यों नहीं ?

उद्योग मंत्रीः सभी तरफ बराबर विकास हो रहा है, दस साल कांग्रेस के थे और मेरे महापौर बनने से पहले शहर की झोपड़ीवाली बस्तियों में सीसी रोड नहीं था मैंने झुग्गी झोपड़ियों तक सड़क बनवाई। आने वाले तीन साल में कोई व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि मेरी गली का काम लखन ने नहीं कराया, सभी क्षेत्रों में समान रुप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

डॉ. द्विवेदीःसीसी रोड बनने के 15 साल बाद भी झोपड़ियां पक्के मकानों में तब्दील नहीं हो सकी?

उद्योग मंत्रीः झुग्गियों की जगह बिल्डिंग बन गई है। महापौर के साथ मिलकर विकास का काम कर रहे हैं। झुग्गियों की जगह बिल्डिंग बन गई।

डॉ. द्विवेदीः आपने चुनाव के दौरान कहा था कि झुग्गी झोपड़ीवालों को पट्टा दिलाएंगे?

उद्योग मंत्रीः निश्चित तौर पर पट्टा मिलेगा, हमने पूर्व में बांटे गए अस्थायी पट्टे को सरकार बनने के बाद स्थायी पट्टे में तब्दील किया है। सारे वायदों को बीजेपी पूरा कर रही है कुछ बाकी हैं उन्हें भी पूरा किया जाएगा। कांग्रेस सरकार में केवल घोटाले हुए हैं इसलिए कोई जेल में है तो कोई बेल में हैं।

टी पी नगर की सौगात मिलेगी,यह कांग्रेसियों के झगड़े में अटका था- शहर में बाईपास मार्ग की जरूरत के सवाल पर उद्योग मंत्री ने कहा कि बालको, नहर किनारे और सोनालिया पुल में सड़क बनने वाली है। पुरानी सड़कों के जीर्णोद्धार की स्वीकृति मिलते ही काम पूरा किया जाएगा। कांग्रेस सरकार द्वारा डामर घोटाला कर गुणवत्ताहीन सड़क का निर्माण किया गया था। बीजेपी की सरकार में शहरवासियों को नए टीपी नगर की सौगात मिलेगी यह तय है। कांग्रेसियों के आपसी झगड़े की वजह से नये टीपी नगर का मामला अटका था।

डॉ. द्विवेदीःआपके पास उद्योग विभाग है, इससे कोरबावासियों को क्या लाभ मिल रहा है?

उद्योग मंत्रीः नई उद्योग नीति तैयार की गई है। 30 हजार करोड़ का काम किया गया है। 43 हजार लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया है। आने वाले समय में डेढ़ लाख लोगों को रोजगार दिया जाएगा। शहर के अंदर एल्युमिनियम पार्क बनाने की योजना थी जिसके लिए सीएसईबी से जमीन मांगी गई थी सीएसईबी द्वारा बंद पड़े संयंत्र में सोलर संयंत्र लगाने की योजना है। यही वजह है कि केवल दस एकड़ आबादी जमीन ही मिल सकी है। इस पर भी छोटे उद्योग लगाए जाने की योजना बनाई जा रही है।

डॉ. द्विवेदीःशहर के लोग प्रदूषण से परेशान हैं और इस समस्या से निजात चाहते हैं?

उद्योग मंत्रीः ऊर्जाधानी में सीएसईबी, एसईसीएल, एनटीपीसी जैसे जैसे बड़े औद्योगिक उपक्रम संचालित हैं। जब मैं विधायक बना शहर की सड़कों पर राख पटी हुई थी। मैंने मिट्टी डलवाने का काम किया, आप देख लीजिए सड़क की सड़कों पर राख नहीं मिलेगी। खुले स्थान पर राख डंप करने नहीं दिया जाएगा। शासन द्वारा चिन्हित स्थानों पर ही राखड़ डंप किया जा रहा है।

डॉ.द्विवेदीःकोरबा बड़ी विचित्र जगह है, कौन किसके साथ पता नहीं चलता है?

उद्योग मंत्रीः कोरबा के सारे लोग अच्छे हैं,कार्यकर्ता हमारे साथ हैं। कोई भी हमारे पास पहुंचता है तो हम यह नहीं पूछते हैं कि कौन से दल से हैं, सबका काम कराया जा रहा है। जनता हमारे साथ है।कोरबा विधानसभा से लोकसभा चुनाव में 40 हजार वोट की लीड थी जबकि महापौर 48 हजार वोट से जीतीं हैं।

डॉ. द्विवेदी :महापौर जीतीं, पार्षदों का भी बहुमत था, फिर सभापति कोई और कैसे बन गया?

उद्योग मंत्रीः पर्यवेक्षक दूसरे थे, मैं पार्षदों से बातचीत नहीं कर सका था, फिर भी जो कुछ हुआ वह दुर्भाग्यजनक था। जिसकी मैं निंदा करता हूं।

डॉ. द्विवेदीः आपने पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना लिया, ये क्या खेल था?

उद्योग मंत्रीः छत्तीसगढ़ पावन भूमि है। यहाँ जो भी प्रभारी बनकर आता है उन्हें बाद में अच्छा ओहदा मिलता है। नितिन नबीन कुशल संगठक हैं और कार्यकर्ताओं से सतत संपर्क रखते हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी मजबूत होगी।

नियम के विपरीत ....

आयोजनों की पूर्व अनुमति लेने की अनिवार्यता विषयक नियमों में उल्लेखित निर्देश,प्रक्रिया का उल्लघंन तथा शासन के नियमों के विपरीत जाकर, उक्त कार्यक्रम की अनुमति आदेश उसी दिनांक 29 दिसंबर को जारी किया गया है, जो विधिवत नहीं है। कार्यक्रम में अश्लील नृत्य प्रस्तुत किया गया, प्राप्त वीडियो से स्पष्ट है कि कार्यक्रम रोकने के संबंध में मरकाम के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। तुलसीदास मरकाम का उक्त कृत्य कर्त्तव्य परायणता व पूर्ण रूप से सनिष्ठ रहने के प्रयुक्ति के विपरीत तथा कर्तव्य के प्रति हल्केपन को प्रदर्शित करता है, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के सर्वथा विपरीत है।

मोरध्वज आरंग...

कामना की। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने वाली कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने समोदा उप तहसील को पूर्ण तहसील का दर्जा देने और वहाँ पूर्णकालिक तहसीलदार की पदस्थापना की घोषणा की। इसके साथ ही मोरध्वज महोत्सव के लिए दिए जाने वाले शासकीय अनुदान को पांच लाख से बढ़ाकर ₹10 लाख करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में प्रस्तावित खेल परिसर सहित अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार "मोदी की गारंटी" के अनुरूप जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को सरकार की विकास नीति का प्रमुख आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि संवेदनशील शासन, त्वरित निर्णय और जनता से सीधा संवाद ही सरकार की पहचान है।

सड़क ठेकेदार के ....

हुई है। जानकारी के मुताबिक बीआर गोयल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड इंदौर की एक प्रमुख निर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी है। कंपनी की स्थापना 1986 में हुई थी। 2005 में यह प्राइवेट लिमिटेड बनी और बाद में पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित हुई।

लाल अंगूर लेकर ....

बेंच में हुई। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी द्वारा कार्यवाही करने के तरीके को देखते हुए इसे दूषित माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि आरोप पत्र में सूचीबद्ध किसी भी गवाह से आरोपों को साबित करने के लिए पूछताछ नहीं की गई है। जैसा कि जांच अधिकारी द्वारा अनुशासनात्मक प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत जांच रिपोर्ट से स्पष्ट है, जिसमें याचिकाकर्ता पर लगाए जाने वाले दंड का प्रस्ताव है।

निलंबन आदेश को ....

शर्मा (सहायक लेखा अधिकारी) की पदोन्नति अवैध तरीके से की गई थी। 31 जुलाई 2025 के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया, जिसमें उसने चपरासी (प्रभारी क्लर्क) होने के नाते ही सक्षम प्राधिकारी, तत्कालीन आयुक्त के समक्ष मामला रखा। उसे नगर निगम के अधीन किसी भी कर्मचारी के पद पर नियुक्त या पदोन्नत नहीं किया गया है। नगर निगम आयुक्त ने 07 अगस्त 2025 को निलंबन आदेश जारी किया और मनमाने ढंग से कार्रवाई की।

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गढिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
नकली माल से सावधान
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 **(39669)**

आवश्यकता है- दुकान में सफाई हेतु युवक, आफिस कार्य हेतु ग्रेजुएट युवक, कोरलड्रा फोटोशॉप में कार्य हेतु डिजाइनर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार पता- भार्गव इंटरप्राइजेस हंसा विहार श्रीकांत वर्मा मार्ग बिलासपुर 90392 57441 **(39673)**

आवश्यकता है- चश्मा शोरूम में कार्य हेतु सेल्समेन चाहिए वेतन 8000 से 15000 योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गुरुनानक चश्मा राजीव प्लाजा जिला चिकित्सालय के सामने पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर **(39671)**

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, सेल्समैन, हेल्पर चाहिए (समय 10 से 8) सैलरी 9000 से 25000 सम्पर्क करें- Farmers Pride नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे सकरी रोड उसलापुर 917929 4949 **(39672)**

आवश्यकता है- मिल्क पार्लर में 10 आदमियों की आवश्यकता है। जिन्हें गाड़ी चलानी आती हो सम्पर्क करें- नेचर केयर, आर्यन पब्लिक स्कूल के सामने, शक्ति चौक के पास, राजकिशोर नगर बिलासपुर 7999232712 **(39678)**

आवश्यकता है- पेमेंट रिकवरी, फील्ड वर्क, ऑफिस कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी, GST एकाउंट, कोटेशन के जानकार लड़के/ लड़की, रिकवरी पेमेन्ट वसूली हेतु लड़के चाहिए सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(39674)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ओम एजेन्सी बाल्मीकि चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर **(39675)**

आवश्यकता है- मोटर वाइन्डर, लेथ ऑपरेटर एवं हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। पीएफ, ईएसआईसी की सुविधा सम्पर्क करें- किशोरी ट्रेडर्स, मुख्य मार्ग सेंदरी- मोपका बायपास ग्राम नगोई, बिलासपुर 83058 12303 **(39676)**

आवश्यकता है- जर्नी कंसल्टेंसी ग्रुप ऑफिस में एक महिला चपरासी। (नाश्ता पानी हेतु जिसे चाय नाश्ता बनाना आता हो) ऑफिस के सभी कार्य अनुभवी रहने खाने की व्यवस्था पेमेंट योग्यतानुसार सम्पर्क 9993316757 **(39677)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में दो ग्राफिक डिजाइनर चाहिए जिन्हें कोरलड्रॉ, फोटोशॉप, सोशल मीडिया ऑपरेट करना आता हो। वेतन 5अंकों में+ अच्छा काम करने पर इंसेंटिव सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर 913115 5033, 9827180896 **(39666)**

आवश्यकता है- वेल्डर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस सरकंडा बिलासपुर 90395 24801, 9753511108 **(39657)**

आवश्यकता है- फॉर्च्यूनर गाड़ी चलाने के लिए लाइसेंसधारी पूर्ण रूप से अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गायत्री मन्दिर चौक के पास विद्या नगर बिलासपुर 9425221777 **(39658)**

आवश्यकता है- तिलक नगर बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने, होम्योपैथीक क्लिनिक में काम करने के लिए लड़की की ज़रूरत है संपर्क समय सुबह 10 से 12 मो. 9329370041 **(39663)**

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटरफिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया पता- बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405 **(39659)**

आवश्यकता है- बिलासपुर, जांजगीर, खरसिया जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राइवर की आवश्यकता है पीएफ ईएसआई मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक सिक्युरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9111175190, 9098318675 **(467)**

आवश्यकता है- ऑफिस ब्वाय- 3 पद, समान पैकेजिंग, लोडिंग अनलोडिंग, ऑटो चालक एवं सफाई कार्य हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन- 9000 से 12000 प्रति माह सम्पर्क करें- 07879 364778 **(39662)**

आवश्यकता है- बाईक ऑटो पार्टस दुकान में काम करने के लिए बीजी साफ्टवेयर अनुभवी एकाउंटेन्ट की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 **(39644)**

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से संचालित लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अंतर्गत छ.ग. प्रचार एवं विकास संस्थान बिलासपुर (NGO) में निम्न पद की आवश्यकता है- पद आउटरीच वर्कर (महिला) 1पद योग्यता स्नातक वेतन 10500 वेतन+ 1500 यात्रा भत्ता) आवेदन की अंतिम तिथि 20/01/2026 पता- छ.ग. प्रचार एवं विकास संस्थान महिलांग भवन ओम नगर, जरहाभाठा बिलासपुर (छ.ग.) 93995 58864, 9977184172 email- ticgpvs@gmail.com **(39656)**

आवश्यकता है- Zee Guard Solar Industries को Manager, Marketing Manager, फिल्ड ऑफिसर, Surveyor, Counselor, TeleCaller, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, पिकअप ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन (10000 से 35000) सम्पर्क- Narayan Plaza, Bilaspur 9755990933, 8085045559 **(39665)**

आवश्यकता है- पुस्तक प्रकाशन हाउस में बुक डिजाइनिंग (MS Office फोटोशॉप अनुभवी) एवं टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से शुरू। सम्पर्क करें- Evince Pub Publishing Koni Bilaspur 9171810321, 6260711728 **(39650)**

आवश्यकता है- होटल, लॉज में साफ सफाई स्टाफ टॉयलेट क्लीनिंग स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- होटल स्वर्णभूमि बिलासपुर सम्पर्क करें- 7869380124 **(39654)**

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित हॉटल में कार्य करने हेतु वेटर- 2 की आवश्यकता है (ड्यूटी टाइम 9 घंटा) वेतन 6000 रुपए प्रतिमाह सम्पर्क करें- हॉटल रोहित जूनी लाइन गोल बाजार बिलासपुर 78699 19506 **(39653)**

आवश्यकता है- फ्लैक्स शॉप के लिए अनुभवी एवं फ्रेशर ग्राफिक्स डिजाइनर की अतिशीघ्र आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें गगन फ्लैक्स एण्ड एलईडी 27 खोली चौक बिलासपुर 9425535104, 9039968650 **(39651)**

आवश्यकता है- रेडीमेड सलवार सूट, साड़ी शोरूम में अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, फोल्डर, कम्प्यूटर आपरेटर (बिजी साफ्टवेयर) ड्राइवर। वेतन 5000 से 20000 पता- प्रकाश डिजाइनर स्टूडियो श्रीराम मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 8319134866 **(39594)**

आवश्यकता है-आफिस, कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी आपरेटर, बागवानी कार्य हेतु मैनेजर, कार ड्राइवर, कुक, घरेलू कार्य, किराए के घर की देखभाल हेतु मैनेजर कोर्ट कचहरी हेतु मुंशी चाहिए मो- 8078280001 **(39611)**

आवश्यकता है-इलेक्ट्रॉनिक एवं फर्नीचर शोरूम में काम करने हेतु लड़के चाहिए। आकर्षक वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- सुधा सेल्स, सत्या शोरूम के बाजू में, नूतन चौक, सरकण्डा, बिलासपुर 98274 97999 **(39630)**

आवश्यकता है- 500/- प्रतिदिन चौकीदार (परिवार वाला) फटाका जमाना पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर लड़कों की आवश्यकता सम्पर्क तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली तेलघानीनाका चौक रायपुर **(164)**

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलिंग काम करने के लिए लड़कियों व महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5,000+ कमीशन बोनस एक्स्ट्रा संपर्क करेंः- मंगला चौक बिलासपुर 8120822435 **(481)**

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु ,रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534 **(39664)**

आवश्यकता है- (1) हॉस्टल कार्य हेतु लड़के, लड़की (2) रिसेप्शन सम्भालने हेतु स्मार्ट लड़के लड़कियां (3) पार्सल, खाना डिलीवरी हेतु लड़के (4) इंडियन, चाइनीज खाना बनाने हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें- 9329233000 **(39647)**

आवश्यकता है- ऑफिस हेतु कुक+ क्लीनर (वेतन 8000 से 9000) एवं अपार्टमेंट हेतु सुपरवाइजर (वेतन 8000 से 12000) चाहिए। मेहनती, ईमानदार को प्राथमिकता। फ्री आवास। तुरन्त ज्वॉइनिंग। सम्पर्क करें- बिलासपुर 6264315731 **(39641)**

आवश्यकता है- ब्लैक बेरीस मेन्स वियर शोरूम में सेल्स कार्य करने के लिए सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827922881 **(39642)**

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु कम्प्यूटर जानकार लड़की/ लड़के एवं साइट में कार्य हेतु अनुभवी इंजीनियर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- PMCC राजेन्द्र नगर बिलासपुर 8109503199, 7898620167 **(39640)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 8वीं, 10वी, 12वीं लड़कियों महिलाओं लड़कों चाहिए बायोडाटा सहित संपर्क करें आकांक्षा रियल स्टेट सामाधान नर्सिंग होम के सामने जरहाभाठा राजीव गांधी चौक के पास बिलासपुर 98271 08381 **(39639)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-06, जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019 **(348)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल निकालने /जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करेंः- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा **(480)**

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है, (वेतन योग्यतानुसार) समय- 10.30 से 8 तक, संपर्कः- लक्की प्लास्टिक बजरंग कॉम्प्लेक्स तेलीपारा रोड पुराना बस स्टैंड बिलासपुर 9301194380, 7000181473 **(470)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28 वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें- 78701 92397, 7796880121 **(455)**

आवश्यकता है- एजेन्सी में कार्य हेतु इच्छुक गार्ड, (योग्यता 10वीं, 12वी पास) अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन 9500 से 10000, कार्य स्थल- बिलासपुर में 2 पहिया तथा 4 पहिया वाले, (समय 11 से 7) पता- A/4 Associates, अशोक नगर चौक बिलासपुर 9425534940, 99816 30084 **(474)**

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की /लड़को की आवश्यकता है लड़को के पास स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, योग्यता दसवीं+ बारवी संपर्कः- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर 98933 67787 **(473)**

आवश्यकता है-फोर व्हीलर वर्कशॉप में लड़के/ लड़कियों, सुपर डिजायनर, सेल्समैन, प्यून चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित प्रातः 10 से 12 तक सम्पर्क- बालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज मगरपारा रोड बिलासपुर **(39528)**

बेचना है

बेचना है- उसलापुर के पास घुरु अमेरी रोड में गोकुल धाम के पास 25×40 वर्गफुट का डाइवर्टेड उत्तर मुखी प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 70007 92803, 9302974560 **(39638)**

बेचना है- जिला मुंगेली तहसील पथरिया के ग्राम पकरिया और ग्राम रामबोड. में खेत खसरा नं-240 (45 डिसमिल) एवं खसरा नं-33/2 (1एकड़ 17 डिसमिल) खेत बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 8319235183, 6264828931 **(39667)**

बेचना है- (1) बलेजा स्मार्ट रोड पर 1562 वर्गफुट कामर्शियल प्लॉट (2) सागरदीप कालोनी स्वतंत्र मकान (3) वार्ड नं.-1 शांति नगर प्लॉट (4) सकरी बटालियन सामने 100 फुट रोड पर 80डिस. जमीन शादी घर, फैक्टरी अन्य हेतु कमर्शियल प्लाट सम्पर्क- 9340723055, 9827408205 **(39670)**

बेचना है- TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेन्दरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 78983 18935 **(39660)**

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा में सेमी कमर्शियल TNC प्लाट डबल रोड 2400 वर्गफिट और नया 4BHK मकान 800 वर्गफिट, डबल स्टोरी लाल ईट मॉड्यूलर किचन फाल सीलिंग, पार्किंग सम्पर्क करें- 7987166040 **(39645)**

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी में, गोविन्दनगर में, 3225 वर्गफीट का पूर्वमुखी, डाइवर्टेड प्लॉट और व्यापार विहार में एक कॉमर्शियल प्लाट बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें। सम्पर्क - 9630083740 9770676030 **(39655)**

किराए से चाहिए

किराए से चाहिए-तिफरा, मोपका, आदर्श नगर (सिरगिट्टी रोड), कोनी, तोरवा, हेमू नगर में मेन रोड पर 600 वर्गफीट (20×30) की दुकान किराए पर चाहिए है। सम्पर्क करें- 8349054531, 78800 42169 **(39637)**

किराये

किराया- शांति नगर गोविन्दम पैलेस के सामने 2BHK, नेचरसिटी में 2BHK, 1BHK फैमिली को एवं राजेन्द्र नगर में 2BHK स्वतंत्र मकान फैमिली/ सेमी कमर्शियल किराये से देना है। सम्पर्क 7999205535, 8821888440 **(39668)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाए।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic, B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें-Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 98261 96515, 9826896515 **(4129)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

फाइनेन्स

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्क शीट, आधार कार्ड प्रॉपर्टी, कृषि, होमलोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे नोट-धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट मो. 9350674841, 93506 74841 **(465)**

फायनेंस- रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर (50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए संपर्क 9311830460 **(479)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

अंडर-19 वर्ल्ड कप: मजबूत शुरुआत के बाद आज बांग्लादेश के खिलाफ भारत दिखाएगा दम

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

पहले मैच में आत्मविश्वास से भरी जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम शनिवार 17 जनवरी को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश की कड़ी चुनौती के बावजूद जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी।

पांच बार की चैंपियन भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को केवल 107 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। उसके बल्लेबाज बांग्लादेश के खिलाफ क्रीज पर लंबा समय बिताने की उम्मीद करेंगे क्योंकि अमेरिका के खिलाफ उन्हें खेलने का पर्याप्त मौका नहीं मिला।

भारत के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प

बांग्लादेश को कमजोर नहीं आंका जा सकता है और उसकी टीम आयुष म्हात्रे के नेतृत्व वाली टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकती है। म्हात्रे और 14 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी एक बार फिर उप कप्तान विहान मल्होत्रा, ऑलराउंडर आरोन जॉर्ज और वेदांत त्रिवेदी और विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू के साथ मिलकर बल्लेबाजी विभाग का जिम्मा संभालेंगे। दीपेश, आरएस अंबरीश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह और उद्धव मोहन के रूप में टीम के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प हैं, जबकि कनिष्क चौहान, खिलन पटेल और मोहम्मद एनान जैसे खिलाड़ी स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यह टूर्नामेंट 1988 में शुरू हुआ था और भारतीय टीम ने इसमें अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार खिलाड़ी, दोपहर 1 बजे से मुकाबला

अजीजुल हकीम के नेतृत्व क्षमता की परीक्षा

जहां तक बांग्लादेश की बात है तो उसके पास कप्तान अजीजुल हकीम के रूप में अनुभवी खिलाड़ी हैं। जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में उनके नेतृत्व क्षमता की भी परीक्षा होगी। हकीम उप कप्तान जावद अबरार के साथ बांग्लादेश की बल्लेबाजी की अगुवाई करेंगे। अंडर-19 स्तर पर दोनों बल्लेबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 2024 में खेले गए पिछले टूर्नामेंट के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। बांग्लादेश के पास एक अन्य बल्लेबाज कलाम सिद्दीकी भी है, जिन्होंने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है।

बांग्लादेश की गेंदबाजी मजबूत

बांग्लादेश के पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण भी है। उसके तेज गेंदबाज इकबाल हुसैन और अल फहद को जिम्बाब्वे की तेज गेंदबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भरपूर सहयोग मिलने की उम्मीद है। इन दोनों गेंदबाज ने पिछले अंडर-19 विश्व कप के बाद से क्रमशः 45 और 43 विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के स्पिनर समीउन बसीर भी उनसे कुछ ही पीछे हैं। उन्होंने इस अवधि में 29 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट चार से कम है।

टीमें इस प्रकार

भारतः आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी दीपेश, मोहम्मद एनान, एरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उधव मोहन, हेनिल पटेल, खिलन ए पटेल, हरवंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।
बांग्लादेश : अजीजुल हकीम तमीम (कप्तान), जवाद अबरार, समिउन बसीर रतुल, शेख परवेज जिबोन, रिजान होसन, शहरिया अल अमीन, शादीन इस्लाम, मोहम्मद अब्दुल्ला, फरीद हसन फैसल, कलाम सिद्दीकी अलीन, रिफत बेग, साद इस्लाम रजिन, अल फहद, शहरयार अहमद, इकबाल हुसैन।

खबर संक्षेप

सोनी ओपन में येल्लामाराजू और राय का अच्छा प्रदर्शन

होनोलूलू। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर सहित थीगला ने 2026 के पीजीए टूर में अपने अभियान की निराशाजनक शुरुआत की और वह सोनी ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन ओवर 73 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से 104वें स्थान पर हैं। भारतीय मूल के कनाडाई खिलाड़ी सुदर्शन येल्लामाराजू ने हालांकि अपने राउंड की शुरुआत डबल बोगी से करने के बावजूद तीन अंडर 67 का स्कोर बनाया। उन्होंने पांच बर्डी लगाईं, एक डबल बोगी और दो बोगी की तथा नौवें होल पर ईगल के साथ अपना खेल समाप्त किया। वह संयुक्त 29वें स्थान पर हैं। भारतीय मूल के ब्रिटिश खिलाड़ी आरोन राय भी संयुक्त 29वें स्थान पर हैं। उन्होंने भी तीन अंडर 67 का स्कोर बनाया। मौजूदा चैंपियन निक टेलर ने आठ अंडर 62 का स्कोर बनाकर केविन रॉय के साथ शुरुआती बढ़त साझा की है।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों का बहिष्कार खत्म

ढाका। बांग्लादेश के नाराज क्रिकेटरों ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों के कल्याण संघ के बीच सहमति बनने के बाद खेल के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए बहिष्कार खत्म कर दिया, जिससे शुक्रवार से बीपीएल टी20 के मैच फिर से शुरू हो गए। सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी निदेशक नजमुल इस्लाम की उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में बगावत कर दी थी, जिससे बोर्ड की शीर्ष टी20 लीग के ठप होने का खतरा पैदा हो गया था। बीसीबी ने स्थिति संभालने के लिए नजमुल को अपनी वित्त समिति के प्रमुख पद से हटा दिया, जिससे हालात कुछ हद तक नियंत्रण में आए। 'क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश' (सीडब्ल्यूएबी) के अध्यक्ष मोहम्मद मिथुन ने कहा कि खिलाड़ियों के हित के लिए उन्हें कुछ बातों पर समझौता करना पड़ा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा और अंतिम वनडे कल दोपहर 12.30 बजे से

निर्णायक मुकाबले में कुलदीप की फिरकी पर टिकी भारत की उम्मीदें

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और निर्णायक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए अपने गेंदबाजी संयोजन पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि पहले दो मैचों में उसके स्पिन गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि उसके बल्लेबाजों को कीवी टीम के धीमी गति के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए देखा गया। राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने आसानी से जीत हासिल कर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली, जिसमें भारत की बीच के ओवरों की कमजोरियां उजागर हो गईं।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर नियंत्रण नहीं बना सके कुलदीप

इनमें सबसे अधिक संघर्ष कुलदीप यादव को करना पड़ा, जो न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के सामने ना तो नियंत्रण बना सके और ना ही विकेट लेने का खतरा पैदा कर सके। इस मैच में शतक लगाने वाले डैरिल मिचेल ने उनकी गेंदों पर आसानी से रन बटोरे। कुलदीप की 'लेंथ और लाइन' दोनों पर हमला किया गया, जिसमें विशेष रूप से मिचेल ने अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए गेंद के टर्न को बेअसर किया और बीच के ओवरों में भारतीय रणनीति को नाकाम कर दिया। कीवी बल्लेबाजों ने उनकी गेंदों को बहुत प्रभावी ढंग से स्वीप किया। यह रणनीति उनके लिए टेस्ट मैचों में भी कारगर साबित हुई थी। भारत के स्पिनर बल्लेबाजों पर लगातार दबाव नहीं बना पाए।

कुलदीप को रखना होगा गेंद को सपाट

इसके विपरीत न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। इंदौर का मैदान अपनी छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों के लिए जाना जाता है। इसलिए यहां विविधता के बजाय अनुशासित गेंदबाजी करना अधिक महत्व रखता है। भारत के गेंदबाजों विशेषकर कुलदीप को गेंद को अधिक सपाट रखना होगा, स्टंप्स पर आक्रमण करना होगा और मैदान के बड़े हिस्सों का पूरी चतुराई के साथ इस्तेमाल करना होगा। ऐसी पिच पर जहां गलत शॉट भी अक्सर छक्के में तब्दील हो जाते हैं, वहां लेंथ को नियंत्रित करना और चौके लगाने के विकल्पों को कम करना महतहोगा।

भारत को करना होगा तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत

टीम प्रबंधन स्पिन गेंदबाजी से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने पर भी विचार कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मौका दिया जाता है या नहीं। अगर अर्शदीप सिंह को टीम में दिया जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर होना पड़ेगा लेकिन पिछले दो मैच में उनका प्रदर्शन खराब नहीं रहा है। प्रसिद्ध की गेंदबाजी की लेंथ उनके खिलाफ जा सकती है। उनकी स्वाभाविक लेंथ बैक ऑफ द लेंथ है, जिसका फायदा छोटे मैदानों पर उठाया जा सकता है, जबकि अर्शदीप अपनी फुल लेंथ गेंदबाजी से होलकर स्टेडियम में अधिक कारगर साबित हो सकते हैं।

सिराज करेंगे गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई

मोहम्मद सिराज निश्चित रूप से गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जबकि अंतिम संयोजन इस पर निर्भर कर सकता है कि क्या भारत एकमात्र स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा मौजूदगी में एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज का विकल्प चुनता है या नहीं। जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है तो भारत के मुख्य बल्लेबाजों में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर भारतीय टीम की रणनीति के केंद्र में बने हुए हैं। भारत को अगर श्रृंखला अपने नाम करनी है तो उसे तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

होलकर स्टेडियम में भारत का रिकॉर्ड अच्छा

होलकर स्टेडियम में हालांकि भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। होलकर स्टेडियम में उसने अपने पिछले सभी पांच मैच जीते हैं। भारत ने यहां इंग्लैंड (2006, 2008), वेस्टइंडीज (2011), दक्षिण अफ्रीका (2015) और ऑस्ट्रेलिया (2017) को हराया है। भारतीय टीम ने शुक्रवार को अभ्यास नहीं किया, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने वैकल्पिक सत्र होने के बावजूद जमकर पसीना बहाया।

विजय हजारे ट्रॉफी

सौराष्ट्र ने पंजाब को 9 विकेट से हराया, फाइनल में एंट्री

विश्वराज ने 74 गेंद में पूरा किया शतक

विश्वराज जडेजा ने टूर्नामेंट में अपना तीसरा शतक केवल 74 गेंद में पूरा किया। उन्होंने प्रेरक के साथ दूसरे विकेट के लिए 121 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई। विश्वराज ने इस दौरान टूर्नामेंट के दौरान 500 रन भी पूरे किए। इस सीजन से पहले उनके नाम लिस्ट ए क्रिकेट में कोई शतक नहीं था। अब नौ मैच में तीसरी बार सैकड़ा जमाया। सौराष्ट्र की टीम चौथी बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है। उसने दो बार खिताब जीता है जबकि एक बार हार मिली है। इस टीम ने आखिरी बार 2022-23 में यह खिताब जीता था।

बेंगलुरु। विश्वराज जडेजा की शानदार 165 रन की नाबाद पारी की मदद से सौराष्ट्र ने पंजाब को 9 विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया। अब सौराष्ट्र फाइनल में रविवार को विदर्भ से भिड़ेगा।

सौराष्ट्र के गेंदबाजों ने पंजाब को 291 रन के कम स्कोर पर रोककर शानदार प्रदर्शन किया, जिसके बाद जडेजा ने अपनी 127 गेंद की पारी (18 चौके, तीन छक्के) के दौरान विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को अपने सलामी जोड़ीदार हार्विक देसाई (64) का साथ मिला, जिनके साथ उन्होंने सिर्फ 23 ओवर में 172 रन जोड़ दिए। फिर उन्हें प्रेरक मांकड़ (52 नाबाद) का साथ मिला, जिससे सौराष्ट्र ने सिर्फ 39.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। जडेजा और मांकड़ ने दूसरे विकेट के लिए अटूट साझेदारी में 121 रन जोड़े।

आरसीबी ने लगाई जीत की हैट्रिक गुजरात जायंट्स को दी मात

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने राधा यादव (66 रन) के अर्धशतक और ऋचा घोष के साथ शतकीय भागीदारी के बाद ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल (23 रन देकर पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गुजरात जायंट्स को 32 रन से शिकस्त दी। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी ने जीत की लय जारी रखते हुए तीसरे मुकाबले में लगातार तीसरी जीत हासिल की जबकि गुजरात जायंट्स को चौथे मैच में दूसरी हार झेलनी पड़ी। आरसीबी ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राधा और ऋचा घोष (44 रन) के बीच पांचवें विकेट के लिए 105 रन की भागीदारी से सात विकेट पर 182 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। पर लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जायंट्स की टीम श्रेयंका (3.5 ओवर में 23 रन देकर पांच विकेट) और इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल (चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने 18.5 ओवर में 150 रन पर ढेर हो गई।

गुजरात की आक्रामक शुरुआत

गुजरात की टीम ने कप्तान बेथ मूनी (27 रन) की मदद से आक्रामक शुरूआत की। लेकिन जल्द ही विकेट गिरने शुरू हो गए, जिससे टीम ने 46 रन पर तीन विकेट खो दिए थे। टीम ने नौवें ओवर में कनिका आहूजा (16 रन) का विकेट खोने के बाद 11वें ओवर में जॉर्जिया वारेहम (13 रन) के रूप में अपना पांचवां विकेट गंवा दिया, जिससे स्कोर पांच विकेट पर 70 रन हो गया। भारती फूलमाली (39 रन) और काशवी गौतम (18 रन) ने मिलकर कुछ उम्मीद जगाई। लेकिन बेल ने 17वें ओवर में भारती को आउट कर स्कोर सात विकेट पर 139 रन दिया। इसके बाद से टीम उबर ही नहीं सकी और जल्द अपने बचे हुए विकेट गंवा दिए। तनुजा कंवर ने 21 रन का योगदान दिया लेकिन आरसीबी की गेंदबाजों के सामने कोई भी टिककर नहीं खेल सका।

कोपा डेल रे: रेसिंग सैंटेंडर को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा बार्सिलोना

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

रियाल मैड्रिड की कोपा डेल रे में हार के एक दिन बाद मौजूदा चैंपियन बार्सिलोना ने उलटफेर से बचते हुए दूसरे डिवीजन की शीर्ष टीम रेसिंग सैंटेंडर को 2-0 से हराकर इस फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले साल कोपा फाइनल में बार्सिलोना से हारने वाला रियाल मैड्रिड दूसरी डिवीजन की टीम अल्बासेटे से 3-2 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। बार्सिलोना की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसे अपना खाता खोलने के लिए एक घंटे से भी अधिक का इंतजार करना पड़ा। उसकी तरफ से फेरान टोरेस ने 66वें मिनट में पहला गोल किया जबकि लामिन यामल ने इंजरी टाइम के छठे और अंतिम मिनट में गोल करके बार्सिलोना की जीत पक्की कर दी। इस बीच रेसिंग के दो गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए। पहला 77वें मिनट में और दूसरा 86वें मिनट में। उसने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में बराबरी करने का सुनहरा मौका भी गंवाया, जब बार्सिलोना के गोलकीपर जोन गार्सिया ने सब्स्टीट्यूट मानेक्स लोज़ानो के शॉट को शानदार तरीके से बचा लिया।

चेन्नई सिंघम्स की लगातार दूसरी जीत राइजर्स को हराया

सूरत। चेन्नई सिंघम्स ने फाल्कन राइजर्स हैदराबाद को 38 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जिससे उसकी टीम आईएसपीएल टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। चेन्नई सिंघम्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में दो विकेट पर 118 रन बनाए, जो वर्तमान सत्र में किसी टीम का सर्वाधिक स्कोर है। उसकी तरफ से उप कप्तान केतन म्हात्रे ने 54 और जगन्नाथ सरकार ने 37 रन बनाए। इसके जवाब में फाल्कन राइजर्स हैदराबाद की टीम सात विकेट पर 80 रन ही बना पाई। जगन्नाथ सरकार ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया तथा दो ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट लिए। चेन्नई सिंघम्स के इस जीत से चार अंक हो गए हैं।

आज पहले मैच में सिंदारोव से भिड़ेंगे गुकेश

टाटा स्टील मास्टर्स : भारतीय खिलाड़ियों की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶| विज्क आन जी

विश्व चैंपियन गुकेश 2025 की अपनी असफलताओं को पीछे छोड़कर शनिवार 17 जनवरी से शुरू होने वाले टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में नई शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे, जहां पहले दौर में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव से होगा।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज प्रतिष्ठित टूर्नामेंट विश्व के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक है। इसकी शुरुआत 1938 से हुई थी और 2011 से इसका आयोजन टाटा स्टील के बैनर तले किया जा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों को इस बार टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

गुकेश ने 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। वह टाटा स्टील टूर्नामेंट में पिछली बार हमवतन आर प्रज्ञानानंदा से टाइब्रेक में हार कर दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार वह खिताब जीतने के लिए किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

प्रज्ञाननंदा का प्रदर्शन अपेक्षित नहीं

मौजूदा चैंपियन प्रज्ञाननंदा एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं, जिन्होंने मार्च-अप्रैल में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है। इस प्रतियोगिता के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी हैं, जो कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे, लेकिन 2025 के आखिर तक वह भारतीय खिलाड़ियों में रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहे। अर्जुन का लक्ष्य यहां अच्छा प्रदर्शन करके रैंकिंग में अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा।

चिदंबरम का सामना ब्लूबाउम से

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम हैं, जो अपने करियर के सबसे मुश्किल टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। प्रज्ञाननंदा पहले मैच में अर्जुन से भिड़ेंगे जबकि चिदंबरम का सामना जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम से होगा। भारतीय खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड के अनीश गिरी, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और जर्मनी के विन्सेंट कीमर जैसे खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस बार टूर्नामेंट में नई समय नियंत्रण प्रणाली लागू की गई है, जिसके तहत खिलाड़ियों को 40 चालें चलने तक कोई अतिरिक्त समय नहीं मिलेगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना
निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-297-2025-26
दिनांकः 05/01/2026
कार्यः (1) कुसुमुंडा साइलो साइडिंग यार्ड में एफओबी के निर्माण के संबंध में ओएचई का प्रावधान/ संशोधन । (2) इंजीनियरिंग साइडिंग को झारसुगुड़ा छोर की ओर बढ़ाकर डाउन लूप लाइन के निर्माण के संबंध में ओएचई का प्रावधान/ संशोधन । **निविदा मूल्यः रू. 1,06,43,943.46/-, बयाना राशिः रू. 2,03,200.00/-, निविदा जमा करने की तिथि व समयः** दिनांक 02/02/2026 के 15:00 बजे तक ।
पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें । निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं ।
व.मं.विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/594 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध एवीएम कार्यों के लिए लाइसेंस आबंटन हेतु ई–नीलामी
कार्य विवरणः तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर सभी प्रकार की प्रकाशन पुस्तकों के वितरण और एवीएम पर लगे एक एलईडी टीवी स्क्रीन के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए एक स्वचालित वेंडिंग मशीन (एवीएम) की स्थापना, संचालन और रखरखाव का अनुबंध तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए और तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए बिलासपुर रेलवे स्टेशन के डोम क्षेत्र, प्रतीक्षा कक्षों और प्लेटफार्म संख्या 01 पर फर्श पर लगे मोबाइल चार्जिंग कियोस्क की स्थापना, संचालन और रखरखाव, जिसमें चार्जिंग कियोस्क के डिस्प्ले पैनल पर विज्ञापन अधिकार शामिल हैं, लाइसेंसधारी के खर्च पर लाइसेंस अनुबंध के लिए लाइसेंस आबंटन हेतु ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही दिनांक **05.01.2026** को आईआरईपीएस वेबसाइट (**https://ireps.gov.in**) पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं:

कैटेलॉग क्रमांक	श्रेणी	नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
MSS-BVM-MCK-26	Misc-Static-Services-Automatic Vending Machine	21.01.2026 13:30:00	MSS-BSP-BSP-AVM-115-26-1	बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर सभी प्रकार की प्रकाशन पुस्तकों के वितरण और एवीएम पर लगे एक एलईडी टीवी स्क्रीन के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए एक स्वचालित वेंडिंग मशीन (एवीएम) की स्थापना, संचालन और रखरखाव का अनुबंध।	1096 दिन
				बिलासपुर रेलवे स्टेशन के डोम क्षेत्र, प्रतीक्षा कक्षों और प्लेटफार्म संख्या 01 पर फर्श पर लगे मोबाइल चार्जिंग कियोस्क की स्थापना, संचालन और रखरखाव, जिसमें चार्जिंग कियोस्क के डिस्प्ले पैनल पर विज्ञापन अधिकार शामिल हैं, लाइसेंसधारी के खर्च पर लाइसेंस अनुबंध के लिए लाइसेंस।	

सीपीआर/10/611
सहायक वाणिज्य प्रबंधक (Chg.), द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

आसमान में उतरा 385 फीट चौड़े पंख वाला जहाज, 28 पहिये और 6 इंजन

न्यूयार्क। इंजीनियरिंग की दुनिया में जब भी किसी अजूबे की बात होती है, तो स्ट्रैटोलॉन्च आरओसी का नाम सबसे ऊपर आता है। यह केवल एक हवाई जहाज नहीं है, बल्कि आसमान में उड़ने वाला एक ऐसा भीमकाय ढांचा है जिसे देखकर पहली बार में आंखों पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है।

अपनी बनावट में यह दो अलग-अलग जेट विमानों के मेल जैसा दिखता है, जिन्हें पंखों के जरिए आपस में जोड़ दिया गया हो। इसके पायलट, को-पायलट और फ्लाइट इंजीनियर केवल दाईं ओर के फ्यूजलेज कॉकपिट में बैठते हैं, जबकि बाईं ओर का फ्यूजलेज पूरी तरह से मानव रहित होता है और वहां केवल फ्लाइट डेटा सिस्टम रखे जाते हैं। इतने बड़े आकार के विमान को हवा में उड़ाने के लिए 6 विशालकाय प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों का उपयोग किया गया है। प्रत्येक इंजन लगभग 56,750 आईबीएफ का जबरदस्त थ्रस्ट पैदा करता है। स्ट्रैटोलॉन्च आरओसी के पंखों की कुल चौड़ाई 385 फीट (117 मीटर) है, जो इसे अब तक का सबसे चौड़ा पंखों वाला विमान बनाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि एक मानक अमेरिकी फुटबॉल मैदान की लंबाई 300 फीट होती है, यानी यह विमान एक पूरे फुटबॉल मैदान से भी कहीं ज्यादा चौड़ा है। इसके दो फ्यूजलेज (विमान का मुख्य हिस्सा) हैं, जिनमें से प्रत्येक की लंबाई 238 फीट है। इस भारी-भरकम ढांचे को संभालने के लिए इसमें कुल 28 पहिये लगाए गए

हैं, जिनमें 12 मुख्य लैंडिंग गियर व्हील्स प्रत्येक फ्यूजलेज के नीचे और बाकी नोज गियर व्हील्स शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक पॉल एलन द्वारा सह-स्थापित इस प्रोजेक्ट का मूल उद्देश्य हवा से ही रॉकेट लॉन्च करना था। हालांकि, उनकी मृत्यु के बाद इस विमान की भूमिका बदल दी गई और अब इसका उपयोग हाइपरसोनिक फ्लाइट टेस्टिंग के लिए किया जा रहा है। इस विमान की तकनीकी बनावट भी बेहद दिलचस्प है।

उड़ान भरने के लिए 12 हजार फीट लंबे रनवे की आवश्यकता

इस विमान की पेलोड ले जाने की क्षमता भी आपको हैरान कर देगी। इसका अपना वजन 226796.19 किलो है, लेकिन यह अपने वजन से भी 10% ज्यादा यानी लगभग 250 टन का वजन उठाकर उड़ने में सक्षम है। हालांकि, इसे उड़ान भरने के लिए कम से कम 12,000 फीट लंबे रनवे की आवश्यकता होती है। साल 2011 में पहली बार प्रोटोटाइप के रूप में सामने आने के बाद इसने 2019 में अपनी पहली सफल उड़ान भरी और अब तक यह कुल 24 उड़ानें पूरी कर चुका है।

रिलायंस का लाभ मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपए

मुंबई। विभिन्न कारोबार से जुड़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 18,645 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि खुदरा कारोबार में कमजोर रुख ने अन्य क्षेत्रों में हुए लाभ को बेअसर कर दिया। कंपनी के अनुसार, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाये जाने के कारण खुदरा कारोबार में धीमी वृद्धि देखने को मिली। हालांकि इसके ऊर्जा और डिजिटल इकाइयों का प्रदर्शन अच्छा रहा।

समंदर की गहराई से निकलेगा पीने का पानी, नॉर्वे में शुरू हो रही है पहली अंडरवॉटर फैक्ट्री

ओस्लो। नॉर्वे के पश्चिमी तट पर मोंगस्टाड के पास एक अनोखी शुरुआत होने जा रही है। फ़्लोसीन वन नाम का यह प्रोजेक्ट 300 से 600 मीटर गहराई में समंदर के नीचे लगाया जाएगा। दावा है कि यह दुनिया का पहला पूरा अंडरवॉटर डिसेलिनेशन प्लांट होगा, जो 2026 में काम शुरू करेगा। टाइम मैगजीन ने इसे 2025 की बेस्ट इन्वेंशन्स में भी शामिल किया है।

समंदर के नीचे छिपी पानी की फैक्ट्री इतनी गहराई पर पानी का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आम प्लांट्स में यही दबाव मशीनों से बनाया जाता है, जिसमें भारी बिजली लगती है। फ़्लोसीन इसी नेचुरल प्रेशर का इस्तेमाल करता है। इससे बिजली की खपत करीब 30 से 50 फीसदी तक कम हो सकती है। ऊपर से धूप नहीं पहुंचती, तो काई और बैक्टीरिया भी कम होते हैं।

एक कैप्सूल, हजारों लोगों का पानी-एक स्टील कैप्सूल रोज करीब 1000 क्यूबिक मीटर मीठा पानी बना सकता है, जो लगभग 37,500 लोगों के लिए काफी है।

कई यूनिट्स मिलकर 50,000 क्यूबिक मीटर रोजाना पानी दे सकती हैं। खास बात ये है कि तट पर कोई बड़ी फैक्ट्री नहीं दिखेगी, सिर्फ पाइपलाइन से पानी पहुंचेगा।

क्यों जरूरी है ये तकनीक

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2030 तक दुनिया में पानी की मांग 40 फीसदी ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में कम जमीन, कम बिजली और कम नुकसान वाली तकनीक बहुत अहम है। फ़्लोसीन जैसे अंडरवॉटर प्लांट तटीय शहरों और द्वीपों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकते हैं। समंदर अब सिर्फ खारा पानी नहीं, बल्कि भविष्य का मीठा समाधान बनता दिख रहा है। अगर ये प्रयोग सफल रहा, तो पानी की जंग में इंसान को एक मजबूत हथियार मिल जाएगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com